पटना ●सोमवार, 12 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः212 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पत्नी की प्रताड़ना से तंग सेवानिवृत्त... 3 www. bordernewsmirror.com बॉक्स ऑफिस पर अंतिम... 8

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन

● 95 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। जानेमाने कांग्रेस नेता और पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह का शनिवार को 95 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें दो सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। गुड़गांव के अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। जानकारी के मुताबिक परिवार के लोग उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में करेंगे। 2004-05 में के नटवर सिंह यूपीए की सरकार में विदेश मंत्री थे। इसके अलावा वह पाकिस्तान के राजदूत भी रहे और 1966 से 1971 तक पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े थे। उन्होंने केंद्रीय स्टील, खनन और कोयला मंत्री के तौर पर भी सेवा दी।

उद्धव ठाकरे की कार पर एमएनएस कार्यकर्ताओं ने फेंका गोबर

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में शनिवार शाम को एमएनएस कार्यकर्ताओं ने शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे के काफिले पर गोबर, चूड़ियां, नारियल और टमाटर फेंके। इसके बाद दोनों के समर्थक आपस में भिड़ गए। पुलिस ने 20 से ज्यादा एमएनएस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। ठाकरे यहां गडकरी हॉल में पार्टी के कार्यक्रम में पहुंचे थे।

इजरायल के साथ खुलकर आया मुस्लिम देश जॉर्डन

तेल अवीव (एजेंसी)। तेहरान में हमास चीफ इस्माइल हानिया की मौत के बाद इजरायल पर ईरान के हमले का डर बना हुआ है। ईरान चेतावनी दे चुका है कि वह हमला करेगा। वहीं इजरायल ने कहा है कि वह भी जवाबी कार्रवाई करेगा। इस बीच इजरायल के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। उसका एक पड़ोसी मुस्लिम देश ईरान पर पलटवार करने के लिए अपना एयरस्पेस देगा। यह देश जॉर्डन है। जॉर्डन सरकार के आधिकारी रुख के बावजूद यह इजाजत दी जा सकती है। इजरायली चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक एक हाई रैंकिंग स्रोत ने इससे जुड़ी जानकारी दी है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर एक बार फिर सियासी घमासान

कांग्रेस ने बताया 'अडानी महाघोटाला', रख दी बड़ी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंडनबर्ग रिसर्च की सनसनी मचाने वाली रिपोर्ट में सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके परित धवल बुच पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि सेबी चेयरपर्सन ने इन दावों को खारिच करते हुए चरित्र हनन करने का प्रयास बताया है। वहीं विपक्ष ने इस मामले को लेकर सरकार को घेरा है। विपक्ष ने माधवी पुरी और उनके पति के खिलाफ तुरंत जांच के आदेश देने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार रात एक बयान जारी कर कहा कि लंबे समय से सेबी अडानी 'महाघोटाले' की जांच करने से कतरा रही है। जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी से भी जांच करवाने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने एक एक्सपर्ट कमेटी ने विशेष रूप से संज्ञान लिया था। उसने अपनी रिप्रोट में बताया था कि सेबी ने 2018 में विदेशी फंड के अंतिम लाभकारी से संबंधित रिपोर्टिंग की आवश्यकताओं पर जोर दिया था और 2019 में इसे पूरी तरह हटा दिया था। कमेटी के अनुसार ऐसा होने से बाजार नियामक के हाथ इस कदर बंध गए कि उसे गलत कार्यों का संदेह तो है लेकिन उसे संबंधित विनियमों की विभिन्न शर्तों का अनुपालन भी करना पड़ता है। ऐसे में सेबी इस मामले में किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पाया है। रमेश ने आगे कहा, जनता के दबाव में अडानी की कंपनी को काफी नुकसान हो जाने के बाद सेबी बोर्ड ने 28 जन 2023 को सख्त रिपोर्टिंग नियम फिर से लागू किए गए। इसने 25 अगस्त 2023 को एक्सपर्ट कमेटी को बताया कि 13 संदिग्ध लेनदेन की जांच की जा रही है लेकिन इसमें कोई सफलता नहीं मिली। हिंडनबर्ग रिसर्च के दावे से पता चलता है कि सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी और उनके पति ने उन्हीं बरमूडा और मॉरिशस स्थित ऑफशोर फंड में निवेश किया था। माना जाता है कि इन फंड्स का इस्तेमाल सेबी नियमों का उल्लंघन करते हुए अडानी ग्रुप की कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए किया गया था। चौकाने वाली बात है कि बुच की इन्हीं फंड्स में वित्तीय हिस्सेदारी होगी।

जांच सीबीआई आर ईडी को करना चाहिए

अडानी महाघोटाले की व्यापक जांच के लिए जेपीसी का गठन करके ही इसे सुलझाया जा सकता है। टीएमसी की महुआ मोइत्रा ने भी कहा कि अडानी स्टाइल में सेबी की चेयरपर्सन भी इस ग्रुप में निवेशक हैं। उन्होंने कहा कि इसकी जांच सीबीआई आर ईडी को करना चाहिए। अमेरिका बेस्ड शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने विसलब्लोअर दस्तावेजों के हवाले से दावा किया है कि सेबी चेयरपर्सन और उनके पति ने उन फंड्स में निवेश किया था जिसको लेकर अडानी पर गड़बड़ी करने का आरोप है।

अब मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बम ब्लास्ट, टेंग्नौपाल में गोलीबारी

फायरिंग में एक उग्रवादी और 4 वॉलंटियर्स हो गई मौत

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार को हुए बम ब्लास्ट में एक पूर्व विधायक की पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने बताया घटना सैखुल के पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप के घर के पास हुई। हादसे में घायल पूर्व विधायक की पत्नी सापम चारूबाला की अस्पताल में मौत हो गई। बम किसने लगाया, इस बात का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, 9 अगस्त को टेंग्नौपाल जिले के मोलनोम इलाके में फायरिंग में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि फायरिंग गांव के वॉलंटियर्स और उग्रवादी संगठन यूनाइटेड कुकी लिबरेशन फ्रंट के सदस्यों के बीच हुई थी। इसमें एक उग्रवादी और 3 वॉलंटियर्स मारे गए।

पूर्व विधायक की पत्नी की मौत

घटना से गुस्साए लोगों ने अध्यक्ष एसएस हाओकिप के घर में आग लगा दी। हालांकि, अब स्थिति नियंत्रण में है। मामले में अब तक किसी भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। मणिपुर के जिरिबाम के लालपानी गांव में 2 अगस्त की रात हथियारबंद लोगों ने कई राउंड फायरिंग की। यह घटना जिरिबाम में शांति बहाल करने के लिए हुए समझौते के 24 घंटे के भीतर हुई। हमलावरों ने एक घर में आग लगा दी। हालांकि, वहां कोई नहीं रहता था। अधिकारियों ने बताया कि लालपानी में मैतेई लोगों के घर हैं। यहां के अधिकांश लोगों ने जिले में हिंसा भड़कने के बाद घर छोड़ दिया था। उपद्रवियों ने यहां सुरक्षा-व्यवस्था में ढील का फायदा उठाकर हमला किया। हमलावरों की अभी तक पहचान नहीं हुई है।

अंतरिम सरकार में होगा अहम रोल, आ गई खास रिपोर्ट

बांग्लादेश में पर्दे के पीछे से चलेगा सेना का 'खेला'

बांग्लादेशियों की जान बचाने के लिए मैंने दिया इस्तीफा

● बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अमरीका पर लगाए साजिश रचने के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले दिनों हुए तख्ता पलट की वजह से देश में कत्लेआम मचा हुआ है। इसी मुद्दे पर दक्षिण एशिया संस्थान के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने बीते शनिवार को विल्सन सेंटर से अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा है कि वहां गठित हुई अंतरिम सरकार जितने समय तक सत्ता में रहेगी। देश में सेना की भूमिका और भी निर्णायक होती चलेगी जाएगी। कुगेलमैन ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के हाशिये पर होने की भी बात कही। हालांकि उन्होंने ये भी दावा किया कि आने वाले समय में लीग फिर से लोकप्रियता हासिल कर सकती है।

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के 6 दिन बाद शेख हसीना ने कहा है कि अमेरिका को सेंट मार्टिन आईलैंड न देने की वजह से उनकी सरकार गिराई गई है। हसीना ने अपने करीबी सहयोगियों से कहा,मैं कट्टरपंथियों की हिंसा में मरने वालों की संख्या को बढ़ने नहीं देना चाहती थी। वे छात्रों के शवों के जरिए सत्ता हासिल करना चाहते थे। लेकिन मैंने पद छोड़कर ऐसा नहीं होने दिया। हसीना ने कहा,मैं सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी को अमेरिकी कंट्रोल में देकर अपनी कुर्सी बचा सकती थी।

संसद में विपक्ष की ताकत बढ़ने से भाजपा चिंतित

दांव पर दो राज्यों की सरकारें,सभी की रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अठारहवीं लोकसभा में विपक्ष की बढ़ी हुई ताकत का अंदाजा मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट सत्र में ही लग गया। दोनों सदनों में विपक्ष के तीखे तेवर और सरकार का अपेक्षात्मक नरम रुख से आंकड़ों के अंतर का असर साफ दिखाई दिया। इसका असर आने वाले चार राज्यों के विधानसभा चुनावों पर भी पड़ सकता है, जिसमें भाजपा और राजग की दो सरकारें दांव पर होंगी। इनमें एक अहम चुनाव जम्मू-कश्मीर का भी होगा, जिस पर देश-दुनिया की निगाहें रहेंगी। नई लोकसभा में शपथ ग्रहण और राष्ट्रपति के अभिभाषण वाले पहले सत्र के बाद दूसरे अहम बजट सत्र में कामकाज ज्यादा बाधित नहीं हुआ, लेकिन विपक्ष ने अपनी ताकत का अहसास कराया। वहीं, सरकार ने पूरी कोशिश की कि आंकड़ों में कमी आने के बावजूद उसकी निरतंरता बरकरार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पहली बार लोकसभा को नेता विपक्ष मिला। इसने विपक्ष को ताकत दी और उसने इसका अहसास भी कराया। दूसरी तरफ बहुमत से दूर भाजपा ने गठबंधन सरकार की मजबूती के लिए अपने दोनों बड़े साथियों जद (यू) और तेलुगुदेशम को राजनीति के साथ बजट के जरिए भी साधा। विपक्ष में खास बात यह रही कि इंडिया गठबंधन की मजबूती तमाम अतंर्विरोधों के बावजूद बनी रही। कांग्रेस और सपा की नजदीकी और बढ़ी। गांधी और बच्चन परिवार भी नजदीक दिखे। राज्यसभा में सत्तापक्ष और सभपाति से टकराव के मुद्दे पर सपा सांसद जया बच्चन के साथ सोनिया गांधी भी खड़ी दिखीं। सोनिया इस बार राज्यसभा सदस्य हैं। संसद के अगले सत्र के पहले चार राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें हरियाणा में भाजपा की अपनी और महाराष्ट्र में वह गठबंधन सरकार में सबसे बड़ी पार्टी है। ऐसे में उसके सामने दोनों सरकारों को बरकरार रखने की बड़ी चुनौती है। दोनों राज्यों में लोकसभा चुनाव में भाजपा को बड़ा झटका लग चुका है। यह भी संदेश गया है कि भाजपा अब पहले जैसी मजबूत नहीं है। चूंकि, राज्यों में लोकसभा चुनाव की तरह मोदी का चेहरा भी नहीं होगा, ऐसे में भाजपा को नए तरीके से रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। दूसरी तरफ विपक्षी दल गठबंधन में और अलग-अलग भी ज्यादा उत्साह से भरे होंगे। झारखंड में विपक्ष की गठबंधन सरकार है। वहां पर उसे बरकरार रखना भी उसके लिए चुनौती होगा। हालांकि, झामुमो नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी, रिहाई, मुख्यमंत्री पद छोड़ना, फिर से मुख्यमंत्री बनने जैसी घटनाएं वहां की राजनीति को प्रभावित करेंगी। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 समाप्त होने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव होगा। यह चुनाव वहां की स्थिरता के लिए काफी अहम होगा।

कोलकाता डॉक्टर मर्डर

आरोपी ने कबूला अपराध मोबाइल में मिले पोर्न वीडियो

घटनास्थल पर ईयरफोन छोड़ा था, सीसीटीवी में भी दिखा, इसी से पकड़ा गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या और यौन उत्पीड़न के आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। कोलकाता पुलिस के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। आरोपी संजय रॉय के मोबाइल में एक पोर्न वीडियो भी मिला है। सूत्रों के अनुसार, संजय रॉय एक सिविक पुलिस के तौर पर पहचाना जाता है। इसे मूल रूप से बंगाल में पुलिस की सहायता के लिए बनाया गया था और यह पुलिस कल्याण बोर्ड का भी हिस्सा था। यही कारण है कि वह अस्पताल में आसानी से आ-जा सकता था। उसे सुबह करीब 4 बजे अस्पताल में प्रवेश करते देखा गया। सीसीटीवी फुटेज में वह पुलिस से पूछताछ करता हुआ दिखाई दे रहा है। सूत्रों के हवाले से कहा है कि आरोपी का ईयरफोन एक बहुत ही महत्वपूर्ण सुराग है क्योंकि वह अस्पताल में प्रवेश करते समय ईयरफोन लगाए हुए था। हालांकि, जब वह बाहर निकला तो यह ईयरफोन वहां नहीं था। सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने यह ईयरफोन जब्त कर लिया। इससे उसे इस केस को सुलझाने में मदद मिली। आपको बता दें कि रॉय को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और उसे 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी पर बीएनएस की धारा 64 (बलात्कार) और 103 (हत्या) के तहत आरोप लगाए गए और उसे सियालदह अदालत में पेश किया गया। वहां उसे 23 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। एक्स पर एक पोस्ट में राजभवन ने कहा कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार से मामले में तत्काल कार्रवाई करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

रेपिस्टों का सीधा एनकाउंटर कर दिया जाना चाहिए

● कोलकाता डॉक्टर मर्डर केस में अभिषेक बनर्जी की तीखी प्रतिक्रिया

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता में डॉक्टर रेप और मर्डर केस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि ऐसे हैवानों का सीधा एनकाउंटर कर दिया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने बलात्कारियों और हत्यारों पर त्वरित गति से मुकदमा चलाने और एक सप्ताह के भीतर सजा सुनाने के लिए संसद में एक विधेयक पेश करने का आह्वान किया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें अनुकरणीय सजा मिले। उन्होंने पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र के आमतला में एक प्रशासनिक बैठक के बाद यह टिप्पणियां कीं।

एमपी के गुना में निजी कंपनी का विमान दुर्घटनाग्रस्त

इंजन फेल होने के कारण हुआ हादसा

भोपाल (एजेंसी)। गुना में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। शा-शिब अकादमी का एक टू-सीटर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान प्रशिक्षण उड़ान पर था जिसे दो पायलट उड़ा रहे थे। करीब 40 मिनट तक हवा में रहने के बाद विमान में खराबी आई और यह लहराते हुए जमीन पर आ गिरा। इस हादसे में दोनों पायलट घायल हो गए हैं। दोनों को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि विमान कुछ दिन पहले परीक्षण के लिए यहां पहुंचा था। रिपोर्ट के मुताबिक, गुना जिले में रविवार को एक निजी विमानन अकादमी का प्रशिक्षण विमान हवाई पट्टी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में दो पायलट घायल हो गए। गुना कैंट पुलिस थाने के प्रभारी दिलीप राजोरिया ने बताया कि दो सीटों वाला सेसना 152 विमान 40 मिनट तक हवा में रहने के बाद हादसे का शिकार हुआ। संभवतः इंजन में खराबी के कारण यह विमान दोपहर करीब डेढ़ बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

अपराधियों ने वकील के बेटे की हत्या कर कमरे में जड़ा ताला, इलाके में मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

पटना, एजेंसी। बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के दुजरा में शनिवार की सुबह ताला बंद कमरे में युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक की पहचान 37 वर्षीय रवि कुमार के रूप में हुई, जिनके पिता रामायण प्रसाद सिविल कोर्ट में अधिवक्ता है।

घटना की सूचना मिलते ही बुद्धा कॉलोनी थाने की पुलिस, डीएसपी विधि-व्यवस्था और सिटी एसपी मौके पहुंच गए। कमरे का ताला खोला गया तो रवि का शव बेड पर पड़ा था। उसके शरीर पर दीवार का पेंट फेंका गया था।

आशंका जताई जा रही है कि गला दबाकर या तकिया से मुंह दबाकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि कमरे से कीमती आभूषण और नकद भी गायब है। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम और श्वान दस्ते को भी बुलाया गया।

डीएसपी कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि शव दो दिन पुराना लग रहा था। मृतक के पिता बोरिंग रोड में रहते है। दूसरी चाबी से ताला खोला गया था। रवि की शादी 2017 में हुई थी और 2018

से तलाक का केस चल रहा है।

यह भी बातें सामने आ रही हैं कि उनके पास कई लोगों का आना जाना था और किसी महिला से भी उनकी नजदीकी थी। गला घोंटकर हत्या की बात से इनकार नहीं किया जा सकता है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा। मामले की छानबीन की जा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। रवि इकलौता बेटा था। अधिवक्ता पिता का दुजरा, बोरिंग रोड में मार्केट सहित कई अन्य मकान है। रवि की बड़ी बहन रीना और छोटी बहन दीपा की शादी हो चुकी है। दोनों दिल्ली में रहती हैं। इसमें एक बहन डॉक्टर है।

रवि का दुजरा में मुख्य मार्ग पर खुद का चार मंजिला मकान है। वह उसी मकान की पहली मंजिल पर रहते थे। ग्राउंड और अन्य मंजिल पर किरायेदार रहते हैं। पिता बोरिंग में रहते है थे और रवि की पत्नी से तलाक का केस चल रहा है। इस वजह से वह मायके में थीं।

बीते दस दिनों से रवि के घर में मरम्मत और पेंटिंग का काम चल रहा था। घर के नीचे रवि ने मेडिकल दुकान खोली थी, जो बाद में बंद हो गयी। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि कुछ दिनों से पिता से भी अनबन चल रहा था। इस वजह से बातचीत कम हो रही थी।

पूछताछ में पता चला कि रवि का कमरा दो दिनों से बंद था। लोगों को लगा कि वह बाहर गया है। शनिवार को कमरे से दुर्गंध उठने पर किरायेदारों ने रवि के पिता और पुलिस को इसकी सूचना दी। पहली मंजिल पर मुख्य दरवाजे और अंदर के कमरे में ताला लगा था।

बताया जा रहा है कि दोनों ताला गैलरी का ही था, जिसकी एक चाबी रवि के पिता के पास थी। सीढ़ी से लेकर कमरे में सामान तक इधर उधर थे। सीसीटीवी कैमरे का तार भी खुला था। ऐसे में साफ है कि आरोपितों को रवि की हर गतिविधि और घर में काम चल रहे काम की जानकारी थी।

पुलिस मकान के नीचे दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे, रवि के मोबाइल को भी खंगाल रही है। उस युवती से भी संपर्क कर रही हैं, जिससे रवि की जान पहचान थी।

रवि के पास पालतू कुत्ता भी है। वह कमरे के बाहर ही सो रहा था। मकान में आने जाने के दो रास्ते हैं। एफएसएल ने तीनों कमरों के दरवाजे, बेड से लेकर अन्य सामानों पर फिंगर प्रिंट उठाए।

श्वान हीरा कमरे से निकलकर सीढ़ी के रास्ते घर से बाहर मुख्य मार्ग पर आया। घर के पास गली से होते हुए करीब छह सौ मीटर का चक्कर लगाने के उसी रास्ते वापस लौट आया।

पुलिस ने रवि से मिलने जुलने वाले लोगों से संपर्क किया। घर के पीछे रहने वाले उसके एक दोस्त को बुलाया गया। उसने बताया कि दस दिन पहले वह मिला था।

संक्षिप्त समाचार

जहानाबाद में आपसी विवाद में चली गोली, घटनास्थल से देसी कट्टा-खोखा जब्त

जहानाबाद, एजेंसी। जहानाबाद में टेहका थाना क्षेत्र के हृदय बीघा गांव में फायरिंग हुई है। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल हो गया। बताया जाता है कि जमीन विवाद में दो पक्षों में गोलीबारी की घटना हुई है। जानकारी के अनुसार रविंदर यादव और राम लखन यादव के बीच जमीन विवाद चल रहा था, इसी को लेकर रविंदर यादव ने गोलीबारी की है।

लेकिन, इस गोलीबारी की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। हथियार लहराते हुए वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जैसे ही यह वीडियो पुलिस के हाथ लगा पुलिस हरकत में आ गई और घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन करने लगी। घटनास्थल से एक देसी कट्टा और एक खोखा भी बरामद किया गया है।

दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी: वहीं, प्रशिक्षु डीएसपी निशांत कुमार ने बताया कि हृदय बीघा गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में गोलीबारी हुई है। लेकिन, गोली हवा में चलाई गई है। इसके कारण कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है। राम लखन यादव ने थाना में लिखित आवेदन दिया है। पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है। इस घटना को अंजाम देने वाले की पुलिस तलाश कर रही है, उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जाता है कि कई सालों से दोनों के बीच जमीन विवाद चल रहा था, इसी को लेकर गोलीबारी की घटना हुई है।

भूत -प्रेत के चक्कर में सो रहे चचेरे भाई को मारी गोली, इलाके में मचा हड़कंप; जांच में जुटी पुलिस

आरा, एजेंसी। भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के मठियापुर गांव में शनिवार की देर रात हथियारबंद बदमाशों ने घर के बाहर सो रहे एक किसान को गोली मार दी और फरार हो गए। जख्मी 55 वर्षीय सुनील साव चांदी थाना क्षेत्र के मठियापुर गांव निवासी स्व.शिव जन्म साव के पुत्र है। वे पेशे से किसान है। जख्मी किसान को गोली दाएं साइड सिर में लगी है।

सदर अस्पताल,आरा में प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत को चिंताजनक देते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। हमलावर दो की संख्या में थे। इधर, एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि शुरुआती में पूछताछ में भूत-प्रेत के चक्कर में चचेरे भाई पर ही गोली मारने का आरोप लगाया जा रहा है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। संदिग्धों से पूछताछ भी चल रही है। घटना रात डेढ़ बजे के आसपास की है।

इधर ,जख्मी किसान की पत्नी मालती देवी ने बताया कि शनिवार की देर रात उनके पति घर के बाहर मच्छरदानी में सोए हुए थे। साथ में वह भी थी। इस दौरान दो हथियारबंद बदमाश वहां आ धमके और बिना कुछ बोले उनके दाएं साइड सिर में गोली मार दी। गोली की आवाज और खून के छींटे शरीर पर पड़ी तो वह जगी। इसके बाद दोनों बदमाश वहां से भाग गए।

इधर, चिल्लाने की आवाज सुनकर घर में सो रहे अन्य सदस्य बाहर आए । इसके बाद उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। दूसरी ओर जख्मी किसान की पत्नी मालती देवी ने बताया कि विवाद तो है, लेकिन क्या विवाद है ,यह उन्हें नहीं मालूम है। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

मिस यूनिवर्स बिहार बनीं काजल सीएम नीतीश कुमार से की मुलाकात

पटना, एजेंसी। मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता में बिहार की बेटी काजल रानी का चयन हुआ है. उन्होंने शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की. मिस यूनिवर्स बिहार प्रतियोगिता का आयोजन पटना में हुआ था, जिसमें काजल रानी मिस यूनिवर्स बिहार चुनी गई. अब दिल्ली में होने वाली मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता में वे बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने काजल को शुभकामनाएं दिया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

मुजफ्फरपुर में बांग्लादेशी समझ जिस साधु वेशधारी को पकड़ा, निकला दिल्ली का भिखारी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। ब्रह्मपुरा थाना के चांदनी चौक के निकट जिस साधु वेशधारी को बांग्लादेशी समझ कर लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया, वह दक्षिणी दिल्ली का भिखारी कन्हैयालाल निकला। उसके पास से तुर्की, नेपाल, भूटान, कतर व मलेशिया सहित कई इस्लामिक देशों की करेंसी (मुद्रा) मिली थी। इससे संदेह गहरा गया था। पकड़े जाने के बाद लोगों की पिटाई से बचने के लिए वह अपने को बांग्लादेश का यूसुफ बताने लगा। शुरू में पुलिस भी उसे संदिग्ध मान रही थी। बाद में जब गहन जांच की गई तो दक्षिणी दिल्ली के स्थाई निवासी के रूप में पुष्टि हुई। नगर एएसपी भानुप्रताप सिंह ने बताया साधु वेशधारी की जांच की गई। उसके भारतीय नागरिक होने व दक्षिणी दिल्ली के निवासी होने का साक्ष्य मिला है।

वह भीख मांगने के क्रम में मुजफ्फरपुर चला आया। उसके पास से कई दूसरे देशों की करेंसी मिली है। इसकी संख्या काफी कम है। संभव है दिल्ली में भीख मांगने के दौरान उसे विदेशी नागरिक से यह करेंसी मिली हो। उसके बांग्लादेशी होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

चांदनी चौक से कथित बांग्लादेशी के पकड़ाने की सूचना इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने से शहर में हड़कंप मच गया था। बांग्लादेश की वर्तमान हालात को देखते हुए कई तरह की आशंका होने लगी थी।

शुरू में वह पुलिस के समक्ष काफी घबराया था। जब वह सामान्य हुआ तो उसने दिल्ली निवासी होने के संबंध में सारी जानकारी पुलिस को उपलब्ध कराई। सत्यापन कराया गया, तो वह सही निकला।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच वहां मेडिकल की पढ़ाई कर रही 70 भारतीय छात्राएं वापस अपने वतन पहुंच गई हैं। इन्हें कॉलेज प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा के बीच बांग्लादेश से लगने वाले भारत के बंगाल बार्डर तक सुरक्षित पहुंचा दिया। जहां से सभी छात्रा अपने अपने घर पहुंच गई। पटना के दानापुर और महुआ की छात्राओं ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हम सभी कॉलेज में पुरी तरह सुरक्षित थे मगर हंगामे की खबर से डर लगता था मगर कॉलेज प्रशासन हमारी सुरक्षा के प्रति काफी गंभीर और मुश्तैद था।

गर्भवती का पानी भरे गड्ढे से शव बरामद-वैशाली में अर्धनग्न अवस्था में मिली महिला की लाश

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली में एक अज्ञात गर्भवती महिला का शव बरामद किया गया है। पानी भरे गड्ढे में शव मिला है। इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। हालांकि, अभी तक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। तिसीऔता थाना की पुलिस ने थाना क्षेत्र के महथी धर्मचंद गांव स्थित चंवर से शव निकाला है।

गर्भवती महिला के शव पर स्थानीय लोगों की नजर पड़ी थी। घास काटने गए कुछ लोगों की नजर पानी में उपलाते हुए शव पर पड़ी। इसके बाद लोगों ने तिसीऔता थाना की पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष सत्येंद्र सत्यार्थी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पानी से निकलवा कर पहचान कराने की काफी कोशिश की। लेकिन पहचान नहीं होने पर आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया।

महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में मिला: बताया गया कि महिला की कहीं और हत्या करने के बाद साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को ई-रिक्शा से लाकर पानी में फेंक दिया गया है। चंवर में ई-रिक्शा जैसे वाहन के टायर का निशान भी देखा गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला गर्भवती लग रही थी। वहीं, महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में था।

72 घंटे तक पहचान के लिए शव रखा जाएगा: इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि महथी धर्मचंद चंवर में एक अज्ञात महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंच कर शव की पहचान करने की काफी कोशिश की। लेकिन पहचान नहीं होने पर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद 72 घंटे तक पहचान के लिए रखा जाएगा। इसके बाद अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। पुलिस परिजनों की पहचान करने में जुटी है।

पटना में अतीक हत्याकांड जैसी वारदात को अंजाम देने की कोशिश ! आरोपी ने पिता के हत्यारे पर अस्पताल में कर दी फायरिंग

दानापुर/पटना, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में कॉल्विन अस्पताल के गेट पर हुई गैंगस्टर अतीक अहमद की गोली मारकर हत्या करने की पुनरावृत्ति पटना के दानापुर अनुमंडल अस्पताल में शनिवार को हो सकती थी, लेकिन मिस फायर होने के कारण बड़ी वारदात टल गई।बिहार पुलिस के 25 हजार के इनामी नीतीश कुमार (माधोपुर, शाहपुर) को पुलिस जेल भेजने से पूर्व मेडिकल जांच कराने के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल लाई थी। वहां काफी भीड़ थी। इसी का फायदा उठाकर शिव कुमार उर्फ शिवा पिस्टल लेकर अस्पताल परिसर में दाखिल हुआ।

पुलिसकर्मी जैसे ही उसकी मेडिकल जांच करा अस्पताल से बाहर निकले कि शिवा ने नीतीश पर पिस्टल तान दी और ट्रिगर दबा दिया। हालांकि, गोली मिस फायर हो गई।पुलिसकर्मियों ने शिवा को हथियार समेत दबोच लिया। दोनों चचेरे भाई हैं। नीतीश पर शिवा के पिता झूलन राय की हत्या का आरोप है।एएसपी दीक्षा ने बताया कि शिवा के पास से पिस्टल, दो मैग्जीन और नौ कारतूस जब्त किए गए हैं। वह पिता की हत्या का बदलने लेने के लिए नीतीश

की हत्या करना चाहता था।हाल में उसने पिस्टल खरीदी थी। आर्म्स तस्कर का पता लगाया जा रहा है। इधर, नीतीश को कोर्ट में प्रस्तुत कराने के बाद जेल भेज दिया गया।

22 वर्षीय नीतीश वर्ष 2019 से ही बालू, हथियार और शराब के अवैध कारोबार में कूद चुका था। इसी को लेकर हुए विवाद में उसने चचेरे भाई मनीष और चाचा झूलन राय की हत्या कर दी थी।उस पर रंगदारी, आर्म्स एक्ट, मानिंग एक्ट समेत छह मामले दर्ज हैं। चाचा की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी संपत्ति भी कुर्क की थी। तब वह हैदराबाद में छिपा था।

मनीष और झूलन राय की हत्या के बाद नीतीश शाहपुर के दियारा इलाके में नहीं जा रहा था। कुर्की जब्ती के बाद वह दोबारा शाहपुर आया और यहीं छिप कर रहने लगा।वह मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करता था, लेकिन फेसबुक समेत इंटरनेट मीडिया के दूसरे प्लेटफार्म पर सक्रिय था। उसने फेसबुक पर मनीष और झूलन के स्वजन को केस उठाने की धमकी भी दी।

सिटी एसपी (पश्चिमी) अभिनव धीमान ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शंकरपुर दियारा घाट के पास नीतीश अवैध बालू लदी नावों से रंगदारी वसूल रहा है। उसके पास हथियार भी है।पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और तभी नीतीश दो साथी कुणाल कुमार (शंकरपुर, शाहपुर) और अमन कुमार (सलहली, अकिलपुर, सारण) के साथ बाइक से भागने लगा।पुलिस ने उसका पीछा किया तो वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा, जिससे उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। वहीं, कुणाल और अमन फरार होने में कामयाब रहे।नीतीश के पास से कट्टा और दो कारतूस बरामद किए गए। इसके अलावा डोंगल मिला, जिसके माध्यम से वह इंटरनेट का इस्तेमाल करता था।

बिहार में जल्द खुलेंगे 18,380 नए आंगनवाड़ी केंद्र, बिहार ने केंद्र सरकार के समक्ष इसकी रखी मांग

पटना, एजेंसी। बिहार राज्य में 18,380 नए आंगनवाड़ी केंद्र जल्द ही खोले जाएंगे. बिहार ने इसकी मांग केंद्र सरकार के समक्ष रखी है. बिहार की मांग को केंद्रीय मंत्री ने गंभीरता से लेते हुए हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है. केंद्रीय मंत्री ने बिहार सरकार समाज कल्याण विभाग के मंत्री और अधिकारियों के साथ जल्द ही देर न करते हुए दिल्ली में एक बैठक करने की बात उन्होंने कहा है.

शनिवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अनपूर्णा देवी बिहार समेत सभी राज्यों के समाज कल्याण मंत्री के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़ी थीं. इसमें सभी राज्यों ने केंद्र सरकार के समक्ष अपना सुझाव रखा. बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने बिहार की आबादी को देखते हुए 18,380 नए आंगनवाड़ी केंद्र खोलने की मांग रखी. इसके साथ बिहार सरकार ने केंद्र में पोषाहार की राशि बढ़ाने, 10 नए जिलों में वन स्टॉप सेंटर का भवन निर्माण और संचालन सहित और भी कई मांग केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा. बैठक में बिहार से आइसीडीएस निदेशक कौशल किशोर और ओएसडी बीरेंद्र कुमार मौजूद थे. राज्य के छह हजार गरीबों को आवासों की मरम्मत के लिए बिहार सरकार 50-50 हजार रुपए देगी. मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना से इस पर कुल 30 करोड़ रुपए सरकार खर्च करेगी. इस राशि से टूटे-फूटे पुराने इंदिरा आवासों की मरम्मत का कार्य किया जा सकेगा.

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ग्रामीण विकास विभाग ने जिलावार लक्ष्य तय कर दिया है. एससी-एसटी व अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लाभुकों को इस योजना का लाभ मिलेगा. ग्रामीण विकास विभाग ने राज्य के सभी डीडीसी को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी है. प्रथम किस्त में 40 हजार व दूसरी किस्त में 10 हजार रुपये लाभुकों को मिलेंगे।

मुजफ्फरपुर में खुदीराम बोस के नाम पर बनेगा म्यूजियम, त्रिभुज प्रमंडल के आयुक्त ने की घोषणा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। अमर बलिदानी खुदीराम बोस के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। अमर शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में फैंसी स्थल व विशेष सेल में हवन माल्यार्पण की गई इस अवसर पर उन्हें सलामी दी गई।

श्रद्धांजलि के बाद त्रिभुज प्रमंडल के आयुक्त गोपाल मीणा ने कहा कि केंद्रीय कारा में अमर बलिदानी खुदीराम बोस के नाम पर म्यूजियम बनाया जाएगा और फांसी स्थल को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सबसे कम उम्र में बलिदान देने वाले खुदीराम बोस के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

मीडिया कर्मियों के सवाल के जवाब में कहा कि जेल मैनुअल में फिलहाल आम आदमी के दर्शन पूजन की व्यवस्था नहीं है। लेकिन आने वाले दिनों में यह पहल होगी कि अमर शहीद खुदीराम बोस से जुड़े फांसी स्थल और सेल का दर्शन आम आदमी भी कर सके।

जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी को अमर बलिदानी खुदीराम बोस के जीवन से प्रेरणा मिलती है।

अमर बलिदानी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि बलिदान दिवस पर केंद्रीय कारा में हर साल श्रद्धांजलि दी जाती है। इस साल भी श्रद्धांजलि सभा में प्रशासन के वरीय अधिकारी के साथ सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि शामिल हुए।

उन्होंने अमर बलिदानी खुदीराम बोस के गांव से आए लोगों का अभिनंदन किया। उनकी ओर से दिए गए मांग पत्र को पर उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिया। इसके साथ ही अमर शहीद खुदीराम से जुड़े स्मारक स्थल चिता भूमि पर भी लोगों ने जाकर श्रद्धांजलि दी।

जिलाधिकारी ने कहा कि मुजफ्फरपुर के अमर शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में 11 अगस्त आज ही के दिन खुदीराम बोस हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ गए थे। शहीद खुदीराम बोस मूल रूप से पश्चिम बंगाल के मिदनापुर गांव के रहने वाले थे। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर मुजफ्फरपुर जेल में फांसी दे दी थी। उस वक्त बिहार बंगाल प्रेसीडेंसी में ही आता था।

इस मौके पर तिरहुत प्रमंडल के आईजी पुलिस शिवदीप लांडे, एसएसपी राकेश कुमार, नगर आयुक्त नवीन कुमार, सिटी एसपी अवधेश दीक्षित, एसडीओ पूर्वी अमित कुमार जेल अधीक्षक बृजेश सिंह मेहता, निगम पार्षद केपी पप्पू सहित खुदीराम बोस कि जन्मभूमि से आए लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। यहां 110 लोग अलग-अलग संगठन के शामिल हुए। अमर बलिदानी खुदीराम बोस की अंतिम इच्छा को पूरा करने को लेकर मिदनापुर से उनके गांव से टोली आई।मेदिनापुर से आई टोली का नेतृत्व कर रहे अमर शहीद खुदीराम बोस स्मृति विद्यालय के संस्थापक प्रकाश हलधर ने कहा कि अमर बलिदानी खुदीराम बोस की यादें उनके पैतृक गांव के लोग दिल में संजोए हुए है।

वह अमर बलिदानी के गांव की मिट्टी व सिद्धेश्वरी काली माता मंदिर का प्रसाद लेकर आए हैं। इसके साथ एक पौधा भी लाए जिसको कारा प्रशासन को दिया। उनके साथ उषा हलधर, प्रीति लता हलधर, अनिरूद्ध हलधर, देवेश हलधर, मामूनी दत्ता घोष, एंजल घोष व संतोष गताइत शामिल रहे। हलधर ने बताया कि वह 1995 से यहां पर लगातार आकर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। सिद्धेश्वरी काली माता का प्रसाद, गांव की माटी उनके फांसी स्थल और चंदवारा सोडा गोदाम स्थित चिता भूमि पर अर्पित किया। खुदीराम बोस कि आखरी इच्छा को पूरा कर वह खुद को वह धन्य मानते है। अमर शहीद खुदीराम बोस केनद्रीय कारा के अधीक्षक बृजेश सिंह मेहता ने कहा कि कारा परिसर में फांसी स्थल व विशेष सेल है। दोनों स्थल का रंग रोगन कराया गया ।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

पत्नी की प्रताड़ना से तंग सेवानिवृत्त वायुसेना चिकित्सक ने की आत्महत्या

बीएनएम। मोतिहारी

इंडियन एयरफोर्स में चिकित्सक के रूप में देश की सेवा कर चुके चिकित्सक ने रविवार को रक्सौल में पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। रक्सौल थाना क्षेत्र लक्ष्मीपुर निवासी डॉ. मोहम्मद साह इसी साल जनवरी माह में एयरफोर्स से सेवानिवृत हुए थे। इसके बाद उन्होंने अपने गांव लक्ष्मीपुर में दवा की दुकान खोलकर स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य की जांच किया करते थे। मोहम्मद साह पारिवारिक तनाव को नहीं झेल सके और उन्होंने आत्महत्या कर ली। रविवार को जब मो. साह का दरवाजा काफी देर तक नहीं खुला तो परिवार के लोगों ने जैसे-तैसे गेट खोला तो देखा कि अपने कमरे के पंखे से लटक कर उन्होने आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा ने बताया कि मृतक के पॉकेट से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें इस बात का जिक्र है कि मैं अपनी पत्नी साफिया और मेरे ससुराल वालों के तरफ से काफी टॉर्चर किया जा रहा हूं। इससे मेरा मानसिक तनाव काफी बढ़ गया है, अब मैं जीना नहीं चाहता हूं। मैं अपना जीवन समाप्त कर रहा हूं। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक की पत्नी डॉ. साह के नौकरी में रहने के दौरान किसी गैर मर्द के साथ भाग गयी थी। इसके बाद से लगातार मृतक की पत्नी के द्वारा पैसे

को लेकर मृतक पर दबाब बनाया जा रहा था। इससे प्रताड़ित होकर उन्होंने आत्महत्या कर ली। इधर, मृतक के साथ रह रहे उनके दो बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक के 14 वर्षीय पुत्र ने बताया कि मेरे अम्मी और अब्बा के बीच कोर्ट में मुकदमा चल रहा था,

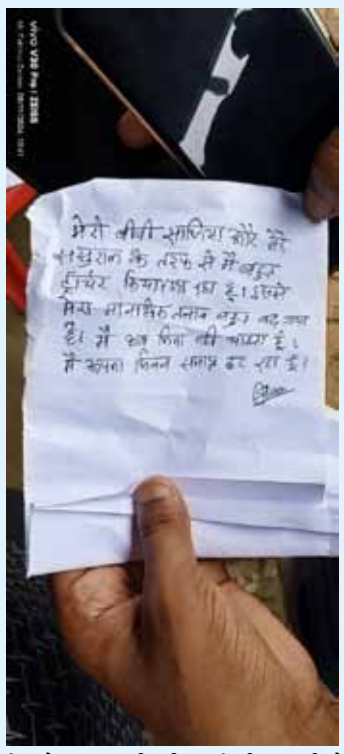

जिसमें अब्बा की जीत हुई थी। अम्मी के काले करतूतों के कारण अब्बा काफी डिप्रेशन में रहते थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम के लिए मोतिहारी भेजा गया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने ब्राजील में हुए विमान क्रैश में मृत लोगों को भारत में अपनी कलाकृति से दी श्रद्धांजलि

बीएनएम। मोतिहारी

ब्राजील के साओ पाउलो में हुए विमान क्रैश की तस्वीर उकेर मृतकों के आत्मशांति के लिए की प्रार्थना

स्थानीय टीवी स्टेशन ग्लोबोन्यूज के मुताबिक शुक्रवार को ब्राजील के साओ पाउलो में 62 लोगों को लेकर जा रहा एक विमान क्रैश हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 62 लोगों की मौत की खबर है। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी मिलते ही भारतीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र की आंखे नम हो गई। सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने 5 घंटो के कठिन परिश्रम के बाद ब्राजील विमान दुर्घटना की दर्द को पीपल के हरे पत्तों पर उकेरी हैं। सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने अपने कलाकृति के माध्यम से ब्राजील विमान क्रैस में मृतकों के शांति के लिए "पीस फॉर प्रे" लिखकर श्रद्धांजलि दी है। सैंड आर्टिस्ट ने मिडिया को बताया कि इस भयानक हादसे में विमान में सवार सभी लोगों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिखाया गया है कि विमान अचानक आसमान से गिर रहा है और गिरते ही सर्पिल हो रहा है। वायपास एयरलाइंस ने एक बयान में कहा, "यह स्पष्ट नहीं है कि दुर्घटना कैसे हुई।

फ्लाइट रडार 24 द्वारा विमान की अंतिम ज्ञात ट्रैकिंग तब हुई जब वह 4,100 फीट की ऊंचाई पर था और साओ पाउलो की ओर आ रहा था। जलता हुआ मलबा और घटनास्थल की तस्वीरें और वीडियो से पता चलता है कि दुर्घटना कितना भयावह था। मौके पर श्री कुमार ने भी अपने देश भारत की ओर से ब्राजील विमान क्रैस हादसा में मारे गए लोगों की आत्मा को शांति के लिए प्रार्थना करते को पुन भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त समाचार

शांतिप्रिय सम्पन्न हुई सिपाही भर्ती परीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती परीक्षा) बिहार, पटना द्वारा आयोजित "सिपाही" के पद पर नियुक्ति के लिए लिखित प्रतियोगिता परीक्षा रविवार को शहर के अलग-अलग परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुई। उक्त परीक्षा का निरीक्षण जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के द्वारा नगर के दिल्ली पब्लिक स्कूल जुबली बनकट एवं सीएमजी शिक्षण संस्थान बनकट मोतीहारी का निरीक्षण किया गया एवं परीक्षा संचालन की जानकारी प्राप्त की गई। वहीं सदर अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी श्रेष्ठ अनुपम एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर शेखर चौधरी के द्वारा संयुक्त रूप से एमएस कॉलेज, एलएनडी कॉलेज, मुजीब बालिका (प्लस2) महाविद्यालय परीक्षा केंद्र सहित कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया एवं परीक्षा संचालन की जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी, एसपी, अनुमंडल पदाधिकारी व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई है।

हरसिद्धि थाना के पाँच पुअनि सहित जिले के 16 पुलिस अधिकारियों का तबादला

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के पुलिस महकमा में 16 अधिकारियों का तबादला हुआ है। इसमें 15 एसआई व एक एएसआई शामिल हैं। इन अधिकारियों को नवपदस्थापित थानों में 24 घण्टे के अंदर योगदान करने को निदेशित किया गया है। हरसिद्धि थाना में तैनात एसआई अनमोल यादव, मदन प्रसाद यादव, सुबोध कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह व आभा कुमारी का नवपदस्थापित थाना क्रमशः जयबजरंग, रामगढ़वा, रघुनाथपुर, बिजधरी व राजेपुर होगा। वहीं पुलिस केंद्र में अपनी सेवा दे रहे एसआई अर्जुन रविदास, मुन्ना कुमार सिंह, रंजय कुमार सिंह, पवन कुमार रखवाला व एएसआई पारस कुमार को हरसिद्धि थाना में भेजा गया है। रामगढ़वा थाना के एसआई नवनीत कुमार को नगर थाना, झरोखर थाना के मो मसरूर आलम व चंद्रमा मांझी को क्रमशः संग्रामपुर व रामगढ़वा थाना में भेजा गया है। वहीं पुलिस केंद्र के सत्येश सुमन व सूरज कुमार रखवाला को झरोखर थाना में पदस्थापित किया गया है। जबकि पुलिस केंद्र के हीं एसआई रामकिशोर सिंह को पचपकडी थाना में लगाया गया है।

आज 10 बजे से 2 बजे तक विधुत आपूर्ति रहेगी बाधित

बीएनएम। मोतिहारी। नगर के बेलिसराय पावर हाउस में 5 एमवीए के अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर के अधिस्थापन कार्य के कारण आज सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक शहर के अगरवा, श्रीकृष्ण नगर, बेलबनवा, गायत्री नगर, टाउन हॉल, टाउन थाना, मुफस्सिल थाना, हॉस्पिटल रोड, सदर अस्पताल, जिला स्कूल, बलुआ, आजाद नगर, उगम पांडे कॉलेज, रेड क्रॉस, अकौना, चांदमारी, अंबिकानगर, चांटी माई, बापूधाम रेलवे स्टेशन, शांति पूरी एवम अन्य संबंधित क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उक्त समय के बाद पुनः पर्व की भांति विधुत आपूर्ति बहाल कर दिया जाएगा।

मोतिहारी पुलिस अधीक्षक कंतेश मिश्रा की बेहतर पुलिसिंग को पलिता लगाते मोतिहारी पुलिस का यह जवान खुलेआम बलुआ ओवरब्रिज पर गाड़ियों से वसूली कर रहा है। मोतिहारी एसपी को इस पर अविलम्ब कार्रवाई करनी चाहिए। इस भ्रष्ट पुलिस कर्मी की पहचान और इसपर कार्रवाई जरुरी है।

गेट मैन पर जानलेवा हमले के विरूद्ध रेल कर्मियो ने निकाला कैंडिल मार्च

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के रक्सौल-सुगौली रेल खंड के फाटक संख्या 14ए मसनाडीह हाल्ट के फाटक पर कार्यरत गेट मैन पर जान लेवा हमले के खिलाफ ईस्ट सेंट्रल रेलवे यूनियन के मंडल मंत्री के के मिश्रा के नेतृत्व में रविवार को रेल कर्मचारियों ने कैंडिल मार्च निकाला। रेल कर्मचारियों ने कहा कि प्रशासन हमे जान की सुरक्षा दें। बीते दिनों फाटक पर तैनात गेट मैन अंसारुल हक को अपराधियों के द्वारा गोली मार कर बुरी तरह घायल कर दिया गया। वो आज जिंदगी और मौत से लड़ रहा है। हमारे पास सुरक्षा के लिए कुछ नही रहता। वही कर्मचारियों ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की भी मांग की है। कैंडल मार्च निकालने के बाद रेल कर्मियो ने गेट मैन अंसारुल हक़ को जल्द स्वस्थ करने की प्रार्थना की गई। इस दौरान ईस्ट सेंट्रल रेलवे यूनियन के शाखा सचिव उमेश कुमार ने प्रशासन से मांग करते सभी फाटकों पर गेट मैन की सुरक्षा को लेकर सुरक्षा बल कर्मियो की प्रतिनियुक्ति व सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने की मांग की, ताकि रेल कर्मी सुरक्षित रह कर अपना कार्य कर सके। उन्होंने बताया कि सभी गेट मैन भय में अपनी ड्यूटी कर रहे है।

बांग्लादेश में जारी हिंसा को लेकर इंडो-नेपाल बार्डर पर बढी चौकसी

बीएनएम। मोतिहारी

बांग्लादेश में लगातार कई दिनो से जारी हिंसा और उपद्रव के बाद भारत ने नेपाल से सटे सीमा क्षेत्र में चौकसी बढा दी है। इंडो-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सुरक्षा बल के जवानो के साथ ही सीमावर्ती जिला पुलिस को भी सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। लिहाजा सुरक्षा एजेंसी के द्धारा प्रत्येक आने जाने वाली गाड़ियों की सघन जांच की जा रही है। इसके साथ ही पैदल यात्रियो पर पैनी निगाह रखी जा रही है।ऐसी आशंका जतायी गई है कि बांग्लादेश में कई दिनो से जारी हिंसा व उपद्रव के कारण बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी नागरिक देश छोड़कर भारत में घुसने की कोशिशो में जुटे हैं, ताकि उनके जान माल की रक्षा हो सके। इसके लिए ये लोग नेपाल के खुली सीमा का लाभ उठा सकते है। इस आशंका के बाद पूर्वी चंपारण के बॉर्डर पर भी सीमा सशस्त्र बल और जिला पुलिस के जवान लगातार को पैनी नजर बनाए हुए हैं,ताकि कोई घुसपैठिया इस रास्ते से भारत की ओर घुसपैठ न कर सके।एसएसबी के आला अधिकारियो व मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर भारत-नेपाल की सीमा के प्रमुख मार्गो के साथ ही ग्रामीण रास्तों पर भी जिला पुलिस व एसएसबी के जवान पैनी निगाहबानी कर रहे है। बॉर्डर पर अलर्ट घोषित कर सभी आने-जाने वाले संदिग्ध गाड़ियों साथ ही संदिग्ध लोगों की तलाशी अभियान भी शुरू कर दी गई है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

एमजीसीयू और बीआरएबीयू के बीच अकादमिक विकास-अनुसंधान का समझौता

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय (बीआरएबीयू) के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम एमजीसीयू के प्रशासनिक भवन में आयोजित किया गया, जहां एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. डी.सी. राय ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य एमजीसीयू और बीआरएबीयू के बीच अकादमिक, अनुसंधान, परामर्श, प्रशिक्षण, ज्ञान साझाकरण, फैकल्टी विकास और उनके आदान-प्रदान पर जोर और संयुक्त कार्यक्रमों के क्षेत्र में सहयोग का एक ढांचा स्थापित करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा, यह एमओयू एमजीसीयू की शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उच्चतर मानकों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम बीआरएबीयू के साथ मिलकर कई नए आयाम स्थापित करेंगे। इससे दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को लाभ होगा और ज्ञान के आदान-प्रदान के बेहतर अवसर भी प्राप्त होंगे। प्रो. डी.सी. राय ने भी इस एमओयू को दोनों संस्थानों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि यह साझेदारी दोनों विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक और अनुसंधान प्रयासों को समृद्ध करेगी। इससे हमारे विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि इस एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं को सशक्त करने के लिए कई संयुक्त कार्यक्रमों और परियोजनाओं को प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालयों के प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति रही।

सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर के मठ में पंचध्वज पूजन का आयोजन

बीएनएम। अरेराज

सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर के मठ में आचार्य अमर पांडेय के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सप्तमी पूजन व पंचध्वज पूजन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभिन्न जगहों से पहुंचे साधु संत व महंतों की उपस्थिति में आचार्य पंडित अमर पांडेय के आचार्यत्व में पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि ने षोडशोपचार विधि से पंचध्वज का पूजन कर पंचध्वज को स्थापित किया। इस दौरान सप्तमी पूजन समारोह में पहुंचे भक्तों को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर रविशंकर गिरि ने कहा कि पंचध्वज पूजन मठ की शुरू से परंपरा रही है। मैं अपने दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत शिवशंकर गिरि के अधूरे कार्यों को पूरा करने व उनके अधूरे कार्यों निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के प्रति दृढ़ संकल्पित हूं। लगातार अरेराज मठ व मंदिर के विकास के कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि पूजन के पहले विष्णु मंदिर के अधूरे कार्यों को पूरा कर मूर्ति स्थापित कर ली जाएगी। वहीं भगवान विष्णु, भगवान परशुराम, श्रीराम दरबार, तिरुपति बालाजी सहित अनेक मूर्तियों के स्थापना का कार्य पूरा कर लिया जायेगा। इस दौरान मठ परिसर में हनुमान आराधना का पाठ किया गया। वहीं पंचध्वज पूजन समारोह में महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि द्वारा आये वरिष्ठ संत व महंत को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। जिनमें महंत छोटन दास सिवान, महंत रितेश दास गोपालगंज, महंत रामदास जी महाराज जहिंगरा मठ, महंत राम जानकी धाम मठ, महंत प्रभु शरण दास पुरनहिया बड़ी मठ शिवहर, महंत राम बालक दास रामपुर छपकहिया, महेन्द्र नाथ मंदिर छपरा महंत तारकिशोर गिरि सहित कई मठ के मठाधीश सहित आचार्य चंदन तिवारी, विनय विहारी वर्मा, बिमल बिहारी वर्मा, जयगोविन्द यादव, मधुसूदन मिश्र, सूरज तिवारी, बाबा आनंद जी, सुनील गिरि, नीरज वर्मा, तेजबहादुर सिंह, संजय गिरि, विक्की वर्मा, नीरज श्रीवास्तव, धीरज कुमार, अंकित कुमार सहित कई मठों के मठाधीश व गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी रोटरी क्लब का कृत्रिम अंग वितरण शिविर 23 से

बीएनएम। मोतिहारी। रोटरी क्लब मोतिहारी 23, 24 व 25 अगस्त को निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन करेगा। इसकी जानकारी देते हुए क्लब अध्यक्ष डॉ विवेक गौरव ने कहा कि तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग शिविर का आयोजन मोतिहारी शहर के मेन रोड स्थित नवयुवक पुस्तकालय में किया जायेगा। शिविर में कटे हुए हाथ और पैर वाले व्यक्तियों को कृत्रिम अंग दिया जाएगा। गौरव ने कहा कि पूर्णतः निःशुल्क इस शिविर को महावीर विकलांग सहयोग समिति, रांची, झारखंड का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसके साथ कई स्थानीय संस्थाओं का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस आयोजन के लिए प्रोजेक्ट चेयर रोटरी राहुल अग्रवाल एवं को-चेयर रोटरी डॉ सुबोध कुमार सिंह के साथ ही छह सदस्यीय टीम बनाई गई है, जिनकी देखरेख में रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो चुका है।

रघुनाथपुर बजार-नकरदेई संपर्क सड़क से प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

नोटिस करने के बावजूद लोग सड़क को नहीं कर रहे थे अतिक्रमण मुक्तः कुंदन कुमार

बीएनएम। सुगौली। प्रखंड क्षेत्र के करमवा रघुनाथ पंचायत के रघुनाथपुर बाजार-नकरदेई संपर्क पथ की अतिक्रमित भूमि को शनिवार को स्थानीय अंचल प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त कराया है। अंचलाधिकारी कुंदन कुमार के नेतृत्व में स्थानीय थाना पुलिस तथा जिले से आये पुलिस के दस्ते की निगरानी में सड़क के अगल बगल की जमीन का अतिक्रमण कर बनाये गये दर्जनों दुकानों तथा अस्थाई रूप से बनाये गये कच्चे फूस के दुकानों को हटाया गया है। अतिक्रमणकारियों ने रघुनाथपुर बजार-नकरदेई संपर्क पथ का अतिक्रमण कर सड़क को संकरा बना दिया था।जिसकी शिकायत अंचलाधिकारी कुंदन कुमार को मिली थी। जिसके बाद ये कार्यवाही की गई। इस बावत अंचलाधिकारी ने पुष्टि करते हुए कहा कि सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए संबंधित लोगों को बार बार नोटिस देने के बावजूद अतिक्रमणकारियों द्वारा सड़क को अतिक्रमण मुक्त नहीं किया गया। जिसके बाद प्रशासन को बाध्य होकर कार्यवाही करनी पड़ी। यहां बताते चलें कि रघुनाथपुर बाजार और नकरदेई सड़क प्रखंड के सुदूर उत्तरी क्षेत्र में बसे कई पंचायतों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क करने का एकमात्र सड़क मार्ग है।

महावीरी झंडा मेला में 51 जोड़ा पहलवानों दिखाएं करतब

बीएनएम। हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के हरसिद्धि पकड़िया पंचायत के पकड़िया टाल पर आयोजित महावीरी झंडा मेला में अंतरराज्यीय पहलवानों सहित 51 जोड़ा पहलवानों ने अपने कर्तव्य दिखाए। इस मेला में दूर-दूर के पहलवान आकर अपने कर्तव्य दिखाते हैं मेला का उद्घाटन भाजपा नेता इंजीनियर राकेश कुमार गुप्ता, पवन राज आदि लोगों ने संयुक्त रूप से पहलवानों को अखाड़े में हाथ मिलवाकर कर किया। पहलवानों की कुश्ती देखने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ उमड पड़ी थी। दर्शकों ने पहलवानों की कुश्ती का खूब आनंद लिया। इस मेला में जौनपुर के गया पहलवान, हरियाणा के रोहित पहलवान, बगहा के सतन यादव पहलवान, जौनपुर के उमा पहलवान, अलीगढ़ के राजा पहलवान, बगहा के पवन पहलवान, जनार्दन पहलवान, पडरौना यूपी के राधेश्याम पहलवान सहित 51 जोड़ा पहलवानों ने कुश्ती में अपने करतब दिखाये। मौके पर भाजपा नेता इंजीनियर राकेश कुमार गुप्ता, पवन राज, मार्कण्डेय कुशवाहा, रवि विश्वकर्मा, मनोज कुमार, उज्जवल वर्मा, सरपंच पति शर्मा गिरि, चंद्र किशोर यादव, जितेंद्र सहनी, राजू कुमार, अनिल श्रीवास्तव, अरविंद कुमार, राजन शर्मा, रमेश गिरि सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

यात्रा निकाल कर अपने माता-पिता के कुकर्मों की माफी मांगे तेजस्वीः संजय जयसवाल

बीएनएम। भागलपुर

बिहार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्वी चंपारण के लोकसभा सांसद संजय जयसवाल रविवार को भागलपुर पहुंचे। जहां उन्होंने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को आप सभी अपने-अपने घरों पर तिरंगा जरूर फहराएं। इस दौरान उन्होंने बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को घेरते नजर आए। संजय जायसवाल ने कहा कि तेजस्वी यादव को बिल्कुल यात्रा निकालनी चाहिए। उन्हें अपने माता-पिता के कुकर्मों की माफी लोगों से मांगनी चाहिए। इस बात की माफी मांगे कि अब मुख्यमंत्री आवास से किसी को भी अपहरण या रंगदारी नहीं मांगी जाएगी। कानून व्यवस्था में उनके परिवारों का जो हाथ था, वह घटनाएं अब नहीं होगी। उनके जमाने में दुनियां की सबसे अद्भुत सड़कें थी। ईट के शोलिंग से हाईवे बना दिए जाते थे। उनको यह सुनिश्चित करना चाहिए वह अपने गाय का दूध दुहने वाले से 5 करोड़ की जमीन नहीं लिखाएंगे।

सप्तक्रांति एक्स ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

बीएनएम। अरेराज

जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के बलुआ ओवरब्रिज के समीप शनिवार को अप सप्तक्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आकर एक अधेड़ की मौत हो गयी। मृतक की पहचान मलाही थाना के नगदाहां गांव निवासी विंध्याचल प्रसाद (59) के रूप में हुई है।बताया गया कि बलुआ आरओबी के समीप विंध्याचल प्रसाद अप सप्तक्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आने से उनका शरीर कमर के पास से दो हिस्सों में विभक्त हो गया। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची बापूधाम मोतिहारी रेल थाना पुलिस शव को रेलवे ट्रैक से उठाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। रेल थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

एग्रीकल्चर की छात्राओ ने लिया मिट्टी जांच का प्रशिक्षण

बीएनएम। अरेराज

जिले के पीपरा कोठी स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रयोगशाला में तिरहुत कृषि महाविधासय पूसा की छात्राओ को मिट्टी जांच का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान केन्द्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने छात्राओ को मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा की जांच करने का प्रशिक्षण देते हुए बताया रसायनिक खादों के अत्यधित प्रयोग के कारण न केवल पर्यावरणीय संकट बढ रहा है,बल्कि खेतों में जैविक कार्बन की मात्रा भी घट रही है।ऐसे मिट्टी की जांच का महत्व काफी बढ गया है,क्योकी मिट्टी जांच के आधार पर ऐसा सामने आया है,कि किसान भाई बेतहाशा रसायनिक उर्वरक व कीटनाशकों का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे मिट्टी मे न्यूनतम जैविक कार्बन की मात्रा 0.5 प्रतिशत से भी कम दर्ज की जा रही है,जबकि मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा कम से कम 0.75% या उससे उपर होना चाहिए। उन्होने कहा कि विगत दो-तीन दशको में रसायनिक खेती व ट्रैक्टर से खेत की जूताई -गुड़ाई के बढे प्रचलन के कारण मिट्टी के मित्र माने जाने वाले केंचुए व अन्य लाभदायक जीवाणु का क्षरण हो रहा है ऐसे में किसान भाईयों को एक बार पुनः प्राकृतिक खेती की ओर रूख करना होगा। डा. राय ने छात्राओं को बताया कि प्रतिग्राम स्वस्थ मिट्टी अपने मूल स्वरूप में करोड़ों की संख्या में जीवाणुओं को साथ रखती है जो अपनी क्रियाओ से आवश्यक पोषक तत्वों को जमीन में गहराई से ऊपर लाकर भूमि को उपजाऊ बनाती है। वहीं कुछ पोषक तत्व का लेग्युमिनस रूट्स से और मल्चिंग से आपूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि इन जीवाणुओ को रसायनिक खाद के उपयोग ने काफी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में इनकी संख्या बढाने के लिए देशी गाय के गोबर के साथ प्राकृतिक रूप से तैयार पंचगव्य,जीवामृत घनजीवामृत बीजामृत सहित अन्य साधनों का प्रयोग जरूरी है। उन्होने बताया कि देशी गाय के एक ग्राम गोबर में करोड़ों लाभकारी जीवाणु होते हैं। डॉ अरविंद कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में मृदा विशेषज्ञ डॉ आशीष राय ने केवीके पिपराकोठी के मिट्टी जांच प्रयोगशाला में विभिन्न जांच पहलुओं के बारे में भी बताया। वही प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं में मुख्य रुप से उर्वशी, तनु, सुंबुल, कृतिका आदि ने बताया कि उन्हें प्रयोगशाला में स्वतंत्र रुप से कार्य करने का मौका मिला है और जैविक कार्बन के कई नमूनों को टेस्ट करने पर यह पाया गया है कि मिट्टी में जैविक कार्बन की कमी हो रही है इसके लिए किसानो को अपने खेत में खाद के रूप में हरी खाद,अजोला, केचुआ खाद, कंपोस्ट, ढैंचा आदि इस्तमाल को बढाना चाहिए।

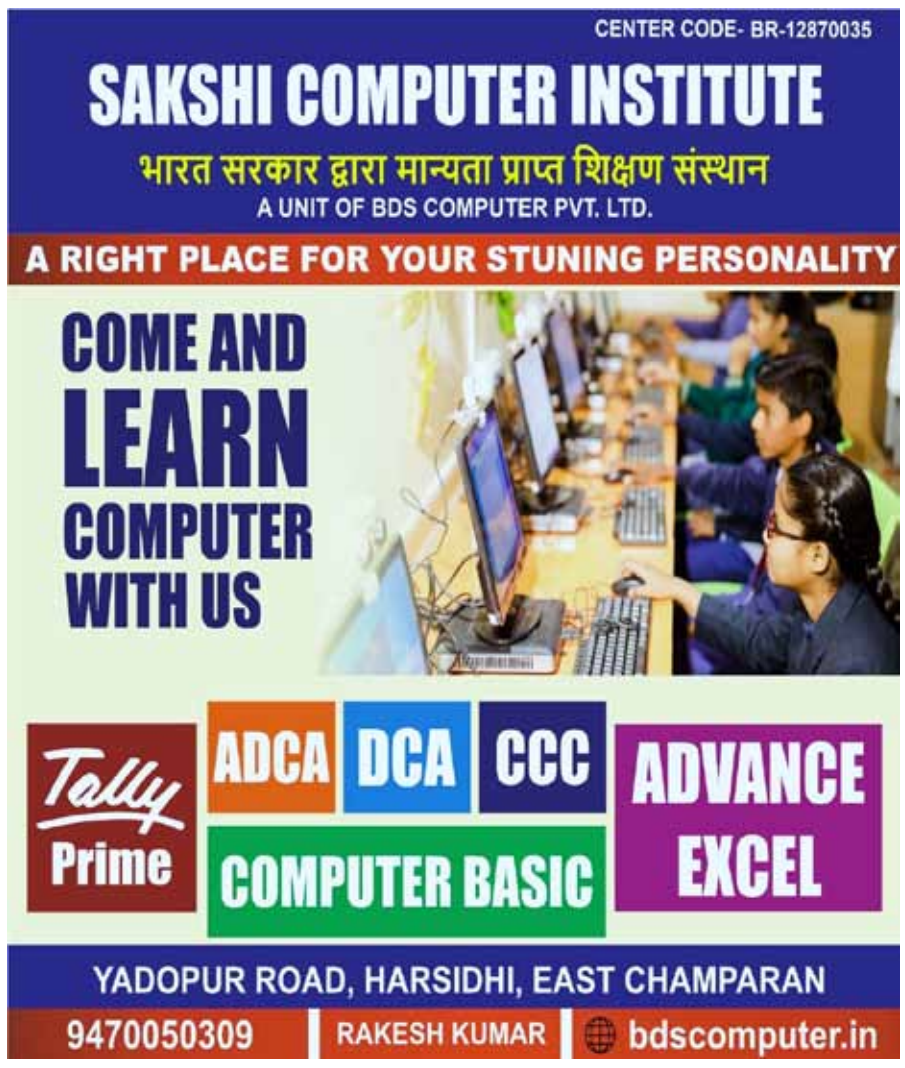

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है। अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है। कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है। जो स्वास्थ्य सुरक्षित रखने की, जीवन संपदा का श्रेष्ठतम सदुपयोग करने की, लोक परलोक उत्कृष्ट बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, वे ही संतोष, यश आरोग्य का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चौथा व अंतिम चरण है-बहादुरी। दैनिक जीवन में अनेकानेक उलझनों से निपटने के लिए उपयुक्त साहस आवश्यक है, अन्यथा हड़बड़ी में समाधान का सही उपाय नहीं सूझेगा।

भारत में आर्थिक प्रगति हेतु सनातन संस्कृति के संस्कारों को जीवित रखना ही होगा

प्रहलाद सबनानी

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी। भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे

अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है। परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व-समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है। हिंदू सनातन धर्म का अनुपालन करने वाले नागरिक पशु, पक्षी, वनस्पति, पहाड़, नदियों आदि में भी ईश तत्त्व का वास मानते हैं और उनकी पूजा भी करते हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में पला बढ़ा नागरिक अपने विचारों में सहिष्णु होता है तथा सभी जीवों में प्रभु का वास देखता है इसलिए वह हिंसा में बिल्कुल विश्वास नहीं करता है। इसी के चलते यह कहा जा रहा है कि विश्व के कई देशों में लगातार बढ़ रही हिंसा को नियंत्रित करने में हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी ही सहायक हो सकते हैं। और फिर, हिंदू जीवन दर्शन का अंतिम ध्येय तो मोक्ष को प्राप्त करना है। इस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से भी हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी कोई भी काम आत्मविचार, मनन एवं चिंतन करने के उपरांत ही करता है। इस प्रकार, इनसे किसी भी जीव को दुखाने वाला कोई गल्त काम हो ही नहीं सकता है। विश्व के कई देशों के बीच आज आपस में कई प्रकार की समस्याएं व्याप्त हैं, जिनके चलते वे आपस में लड़ रहे हैं एवं अपने नागरिकों को खो रहे हैं। यूक्रेन - रूस के बीच युद्ध एवं हमास - इजराईल के बीच युद्ध आज इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है। बांग्लादेश में अशांति व्याप्त हो गई है। इसी प्रकार ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी, अमेरिका जैसे शांतिप्रिय देश भी आज विभिन्न प्रकार की समस्याओं से ग्रसित होते दिखाई दे रहे हैं। इसलिए, शांति स्थापित करने एवं आर्थिक विकास को गतिशील बनाए रखने के उद्देश्य से आज हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को आज पूरे विश्व में फैलाने की महती आवश्यकता है।

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है।

राल्फ वाल्डो एमर्सन

आप आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं तो कुछ परेशानी तो उठानी ही पड़ेगी।

एबिगैल वैन ब्यूरेन

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि अष्टमी, सोमवासरे, स्वाति नक्षत्रे, शुभ योगे, ववकरणे, वृश्चिक की चंद्रमा, भद्रा दिन के 4/13 तक श्रावण सोमवार व्रत, प्रदोष व्रत तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चचंल, जिद्दी हठी तथा ड्राईवर, वाहन चालक, ठेकेदार नाली, पुलिया निर्माणकर्ता तथा लोहे सरिया का व्यापारी रेलवे ठेकेदार तथा वाहन चालक लड़की का ठेकेदार होगा।

मेष :- मनोबल संवेदनशील रहे, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

वृष :- शरीर कष्ट, चिन्ता व बाधाएं, अनेक प्रकार के विचार, असमंजस में रहेंगे, कष्ट होगा।

मिथुन :- संघर्ष में सफलता, समृद्धि के योग बनेंगे तथा सामाजिक मान प्रतिष्ठा, अवश्य ही बढ़ेगा।

कर्क :- अर्थव्यवस्था की चिन्ता बनी रहेगी, दैनिक प्रयत्न सफल अवश्य ही होगी, ध्यान दें।

सिंह :- योजनाएं फलीभूत हो, तनाव से बचियेगा, कार्य अवरोध से दुख अवश्य ही होगा।

कन्या :- कार्य व्यवसाय गति अनुकूल, चिन्ता कम हो उत्तम कार्य बनेंगे तथा अवरोध बने।

तुला :- इष्ट मित्र सुख वर्धक होगें, अधिकारियों से सुख लाभ अवश्य ही होगा, ध्यान रखे।

वृश्चिक :- अशुद्ध गोचर होने से कार्य विफल होगा तथा मानसिक व्यग्रता अवश्य होगी।

धनु :- प्रकृति संवेदनशील रहे, भोग ऐश्वर्य में समय बीतेगा, समय का ध्यान रखेंगे।

मकर :- मानसिक विभ्रम उद्विग्नता रखे तथा मानसिक असमंजस से पीड़ा होगी।

कुम्भ :- सफलता के लिए धैर्य से कार्य लें, स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास होगा।

मीन :- मानसिक क्लेश व अशांति, शरीर कष्ट चिन्ता मन व्यग्र बना रहेगा।

भारत के महान वैज्ञानिक विक्रम साराभाई जैन को नमन

विजय कुमार जैन

भारत माता के महान सपूत जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया में देश का नाम ऊंचा किया ऐसे विक्रम अंबालाल साराभाई जैन का 12 अगस्त 1912 को जन्म हुआ था। जन्म दिवस के अवसर पर हम उन्हें स्मरण कर रहे हैं। डॉ विक्रम साराभाई के नाम को अंतरिक्ष कार्यक्रम से अलग नहीं किया जा सकता यह बात दुनिया को पता है की वह विक्रम साराभाई ही थे, जिन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया।आपका जन्म अहमदाबाद में श्री अंबालाल साराभाई के प्रतिष्ठित जैन परिवार में हुआ था।आपकी माता जी श्रीमती सरला साराभाई थी। आपकी माता सरला साराभाई ने प्रारंभिक शिक्षा मैडम मारिया मांटेसरी की तरह शुरू हुए पारिवारिक स्कूल में दिलाई।गुजरात कॉलेज में इंटरमीडिएट तक विज्ञान की शिक्षा पूरी करने के बाद वे सन 1937 में कैंब्रिज इंग्लैंड चले गए, जहां 1940 में प्रणमाकृतिक विज्ञान में ट्रायपोज डिग्री प्राप्त की। द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर वे भारत लौट आए और बेंगलूरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान में नौकरी करने लगे।जहां पर वह सी. वी. रमन के निरीक्षण में कॉस्मिक रेंज पर अनुसंधान करने लगे। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति पर वे कॉस्मिक रेज भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में अपनी डाँक्ट्रेट पूरी करने के लिए कैंब्रिज लौट गए। सन् 1947 में उष्णकटिबंधीय अक्षांश ट्रॉपीकल लैटीट्यूड्स मैं कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। डाँ विक्रम साराभाई को भारत के महान संस्थान निर्माता माना जाता है। उनके द्वारा स्थापित लोकप्रिय संस्थानों में प्रमुख हैं भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला पीआरएल अहमदाबाद, भारतीय प्रबंध संस्थान आई आई एम अहमदाबाद, सामुदायिक विज्ञान केंद्र अहमदाबाद, दर्पण अकादमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स अहमदाबाद, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र तिरुअनंतपुरम्,डॉ विक्रम साराभाई सांस्कृतिक गतिविधियों में भी गहरी रूचि रखते थे। वे संगीत, फोटोग्राफी, पुरातत्व, ललित कलाओं और अन्य अनेक क्षेत्रों से जुड़े रहे। डॉक्टर विक्रम साराभाई के व्यक्तित्व का सर्वाधिक उल्लेखनीय पहलू उनकी रुचि की सीमा और विस्तार तथा ऐसे तरीके थे, जिन्होंने अपने विचारों को संस्था में परिवर्तित किया।सृजनशील वैज्ञानिक, सफल और दूरदर्शी उद्योगपति, उच्च कोटि के प्रवर्तक, महान संस्थाओं के निर्माता, अलग किस्म के शिक्षाविद, कला पारखी, सामाजिक परिवर्तन के ठेकेदार, अग्रणी प्रबंध प्रशिक्षक आदि ऐसी अनेक विशेषताएं उनके व्यक्तित्व में समाहित थी। उनकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि वे एक ऐसे उच्च कोटि के इंसान थे जिसके मन में दूसरों के प्रति असाधारण सहानुभूति थी, जो भी उनके संपर्क में आता उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रहता था। धर्मपत्नी श्रीमती मृणालिनी साराभाई के साथ मिलकर उन्होंने मंच कलाओं की सांस्कृतिक संस्था दर्पण का गठन किया। उनकी बेटी मल्लिका साराभाई बड़ी होकर भरतनाट्यम् और कुचिपुड़ी की प्रसिद्ध नृत्यांगना बनी। डॉक्टर होमी जे भाभा की जनवरी 1966 में मृत्यु के बाद डॉक्टर साराभाई को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। साराभाई ने सामाजिक और आर्थिक विकास की विभिन्न गतिविधियों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में छुपी हुई व्यापक क्षमताओं को पहचान लिया था। इन गतिविधियों में संचार, मौसम विज्ञान संबंधी भविष्यवाणी और प्राकृतिक संसाधनों के लिए अन्वेषण आदि सम्मिलित हैं।भारत के महान वैज्ञानिक बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉक्टर विक्रम साराभाई का 30 दिसंबर 1971 को कोवलम्, तिरुअनंतपुरम् केरल में आसामयिक स्वर्गवास हो गया।इस महान वैज्ञानिक के सम्मान में तिरुअनंतपुर में स्थापित थुंबा एक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन टी आर एल एस और संबंधी अंतरिक्ष संस्थाओं का नाम बदलकर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र कर दिया गया। यह केंद्र एक प्रमुख भारतीय अंतरिक्ष केंद्र के रूप में उभरा है।सन 1974 में सिडनी स्थित अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान संघ ने निर्णय लिया कि सीआफ सेरेनिटी पर स्थित बेसल नामक मून क्रेटर अब साराभाई क्रेटर के नाम से जाना जाएगा। डॉ विक्रम साराभाई को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को भारतवासी हमेशा याद रखेंगे।उनका जीवन एवं अनुसंधान कार्य आज की युवा पीढ़ी के लिए निश्चित ही प्रेरणादायक है जन्मदिन पर हम डॉक्टर विक्रम साराभाई को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच की विदेशी फंड में हिस्सेदारी?

सनत जैन

सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ़ इंडिया (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर हिडनबर्ग ने तथ्यों के साथ दस्तावेज सहित माधवी बुच और उनके पति धवल बुच के खिलाफ बड़े गंभीर आरोप लगाए हैं। मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी ग्लोबल डायनॉमिक अपॉर्चुनिटी फंड में हिस्सेदारी के दस्तावेज, हिडनबर्ग ने उजागर किए हैं। गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से अडानी समूह की कंपनियों में शेयरों के दाम बढ़ाने तथा निवेश करने के आरोप लगाए हैं। हिडनबर्ग का आरोप है कि अडानी समूह पर सेबी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। सेबी ने उस समय भी कोई प्रतिक्रिया दी थी। जब इस मामले में तूल पकड़ा, तो सुप्रीम कोर्ट ने आरोपों की जांच का जिम्मा सेबी को सौंप दिया। सेबी अध्यक्ष के पद पर माधवी पुरी स्वयं आसीन थी। इस गड़बड़ झाले में उनके और उनके पति की सहभागिता थी। जिसके कारण उन्होंने जांच करना तो दूर, स्वयं अपने आप को बचाने के लिए जांच ही नहीं होने दी। 27 जून 2024 को सेबी ने हिंडन वर्ग को एक नोटिस जारी किया था। उसके बाद हिडनबर्ग ने माधवी पुरी और धवल बुच की सच्चाई वाली 10 अगस्त 2024 को नई रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में दस्तावेजों के साथ हिडनबर्ग ने खुलासा किया है। हिडनबर्ग के दस्तावेजों के अनुसार 22 मार्च 2017 को उनके पति धवल बुच ने मॉरीशस फंड प्रशासक ट्राईडेंट ट्रस्ट को ईमेल किया था। उसमें लिखा गया था, कि उनका और उनकी पत्नी माधवी पुरी का ग्लोबल डायनेमिक अपॉर्चुनिटी फंड में निवेश है। धवल ने आग्रह किया था, कि इस फंड का अकेले ऑपरेट करने का अधिकार उनको है। माधवी पुरी ने भी अपने ईमेल से अपने शेयर अपने पति को ट्रांसफर करने की सूचना कंपनी को दी थी। उसके बाद अप्रेल 2017 से डायरेक्टर के रूप में माधवी बुच सेबी में काम कर रही हैं। पूर्व सेबी प्रमुख अजय त्यागी के सेवानिवृत्ति के बाद 28 फरवरी 2022 से पूर्णकालिक सेबी अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए की गई है। 2017 के बाद से आफसोर कंपनियों द्वारा शेयर बाजार में बड़ी मात्रा में निवेश किया जा रहा है। शेयर बाजार में ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से अडानी समूह के शेयरों में निवेश किया गया। कृत्रिम तेजी का जो खेल शेयर बाजार में खेला जा रहा था। उसे हिडनबर्ग की रिपोर्ट में उजागर किया है। हिडनबर्ग की उस रिपोर्ट के बाद अडानी समूह को 7.20 लाख करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा था। दुनिया के सबसे बड़े तीसरे नंबर के आदमी की सूची में वह पहुंच गए थे। लेकिन जैसे ही हिडनंबर्ग की रिपोर्ट आई। अडानी समूह को लाखों करोड़ का नुकसान हुआ। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने जांच का जिम्मा सेबी को सौंप दिया था। माधवीपुरी और उनके पति खुद इस मामले में संलिप्त थे। अतः उन्होंने हिंडन बर्ग की रिपोर्ट में जिन कंपनियों के नाम दिए गए थे, उन कंपनियों की जांच ही नहीं होने दी। अब हिडेनबर्ग ने जो रिपोर्ट जारी की है, उसमें उसने सेबी प्रमुख का कच्चा चिट्ठा उजागर कर दिया है। शेयर बाजार के सारे घपले घोटाले एक-एक करके सामने आने लगे हैं। अडानी समूह के साथ जुड़े रहने के कारण ही माधवी पुरी को सेबी का पूर्णकालिक डायरेक्टर बनाया गया। इस तरह के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा जो नोटबंदी की गई थी। उसमें कालेधन को खत्म करने की बात कही गई थी। नोटबंदी के बाद रिजर्व बैंक द्वारा जारी नोट के 99 फीसदी से ज्यादा नोट बैंक में वापिस जमा हो गये। देश का पूरा काला धन बैंकों में वापस आकर सफेद हो गया। यही कालाधन बाद में शेयर बाजार में लगा। जिनके पास काला धन था, उन्हें नोटबंदी के बाद शेयर बाजार के माध्यम से भारी कमाई होने लगी। नोटबंदी के बाद शेयर बाजार ने बेलगाम घोड़े की तरह तेज रफ्तार पकड़ ली। विदेशों में जमा काला धन ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार में निवेश होने लगा। शेयर बाजार में मुनाफा वसूली के जरिए कालाधन कमाई का एक नया जरिया बन गया। सेबी प्रमुख की सरपरस्ती में विदेश से काला धन बड़ी मात्रा में आकर शेयर बाजार में लगता रहा। कृत्रिम तेजी और मंदी के खेल में अडानी समूह दुनिया के तीसरे नंबर के रईसों में शामिल हो गया था। शेयर बाजार के नियमों का उल्लंघन करके भारी कमाई अडानी समूह ने की है। इसका लाभ भी सेबी प्रमुख के पति धवल बुच को भी मिला है। हिडनबर्ग ने जो नई रिपोर्ट प्रस्तुत की है, उसमें इसका उल्लेख है। शायद यह मामला दबा रह जाता। सेबी प्रमुख माधवी बुच ने हिडनबर्ग को नोटिस जारी कर आग में घी डाल दिया। घायल शेर को नोटिस जारी करके एक बार फिर से जगा दिया। इस बार हिंडन बर्ग ने जो हमला किया है, वह रामबाण की तरह है, जो निशाने पर जाकर लगेगा। इसकी प्रतिक्रिया भारत सहित दुनिया के सभी देशों के शेयर बाजार में होना तय है। विनोद अडानी भारतीय नागरिक नहीं हैं। उन्होंने टैक्स हेवन देश की नागरिकता ले रखी है। टैक्स हेवन देश मॉरीशस, बरमूड़ा, सिंगापुर के रास्ते कालाधन भारत के शेयर बाजार में निवेश किया गया। इसमें अधिकांश निवेश अडानी समूह की कंपनियों में किया गया है। इस समूह के साथ माधवी पुरी और उनके पति धबल बुच की सीधी भागीदारी है। हिंडन वर्ग द्वारा जो नई रिपोर्ट पेश की है। उसमें जो दस्तावेज लगाए गए हैं। उससे यह प्रमाणित है। इस रिपोर्ट के सामने आते ही कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा- अब पता चला है, संसद का सत्र 9 अगस्त को अचानक क्यों स्थगित कर दिया गया। उन्होंने लिखा है, प्रहरी की सुरक्षा अब कौन करेगा। शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कहा है, हिडनबर्ग की रिपोर्ट से अब स्पष्ट हो गया है। सेबी ने अडानी की कंपनियों की जांच का विवरण सुप्रीम कोर्ट में क्यों नहीं दिया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की अनदेखी पर भी सवाल उठने शुरू हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जाँच कमेटी बनाई गई थी। उसने भी जांच के नाम पर लीपा पोती की है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अनदेखा किया है। पहिले जब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। उसके बाद अडानी समूह द्वारा मीडिया को नोटिस जारी कर मानहानि की धमकी दी थी। सरकार ने इसे राष्ट्रीय हितों से जोड़कर अडानी समूह को बचाने का काम किया था। ईड़ी और सीबीआई ने जो आरोप हिंडनबर्ग ने लगाए थे, उसकी जांच शुरू नहीं की। दोनों एजेंसियों को इसकी जांच स्वयं करनी चाहिए थी। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी और उनके पति धवल बुच, के बरमूडा ओर मारिशस स्थित ऑफशोर फंड में किए गए निवेश, विनोद अडानी और उनके सहयोगी चाँग चुंग-लिंग और नासिर अली शाहबान के खिलाफ जांच की मांग की है।

शिवलिंग का वैज्ञानिक रहस्य

संजय गोस्वामी

शिवलिंग पर चढाये जल को लाँघा नही जाता और शिवलिंग की परिक्रमा आधी की जाती है। शिवलिंग पर अर्पित नैवेद्य भी नहीं खाया जाता उसे गऊ वंश को खिला दिया जाता है क्योंकि उनमें ही इसकी शक्ति को सहने की क्षमता होती है। भारत का रेडियोएक्टिविटी मैप उठा ले हैरान हो जायेंगे भारत सरकार के न्युक्लियर रियेक्टर के अलावा सभी ज्योतिर्लिंगो के स्थानों पर सबसे ज्यादा रेडियेशन पाया जाता है !शिवलिंग ओर कुछ नहीं बल्कि एक न्युक्लियर रिएक्टर्स ही तो है तभी तो उस पर जल चढाया जाता है ताकि वो शांत रहे ,महादेव के सभी प्रिय पदार्थ जैसे कि बिल्वपत्र, आक, धतूरा, गुड़हल, आदि सभी न्युक्लियर एनर्जी सोखने वाले हैं, शिव लिंग में अपार ऊर्जा है जो परमाणु अस्त्र के कई टन शक्ति के बराबर है जिसे पूजन और जल से स्नान कराके नियंत्रण में रियेक्टर की तरह ही शक्तिमान ऊर्जा देता है एक प्रकाश जैसा है शिवलिंग पर चढा पानी भी रिएक्टिव हो जाता है इसलिए तो जल निकासी नलिका को लाँघा नही जाता है भाभा एटॉमिक परमाणु रिएक्टर का डिजाइन भी शिवलिंग की तरह ही है, शिवलिंग पर चढ़ाया दूध,दही, मट्ठा व जल नदी के बहते जल के साथ मिलकर औषधि का रूप ले लेता है, तभी तो हमारे पूर्वज हम लोगों से कहते थे कि महादेव शिवशंकर अगर नाराज हो जायेंगे तो प्रलय आ जायेगी, ध्यान दें कि हमारी परम्पराओं के पीछे कितना गहन विज्ञान छिपा हुआ है ! जिस संस्कृति की कोख से हमनें जनम लिया वो तो चिर सनातन है ! विज्ञान को परम्पराओं का जामा इसलिए पहनाया गया ताकि वो प्रचलन बन जाए और हम भारतवासी सदा वैज्ञानिक जीवन जीते रहे। आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि

भारत में ऐसे महत्वपूर्ण शिव मंदिर है जो केदारनाथ से लेकर रामेश्वरम तक एक ही सीधी रेखा में बनाये गए हैं , आश्चर्य है कि हमारे पूर्वजो के पास ऐसा कैसा विज्ञान और तकनीक थी जिसे आज का विज्ञान आज तक नहीं समझ पाया,उत्तराखंड का श्री केदारनाथ तेलंगाना का कालेश्वरम आंध्रप्रदेश का कालहस्ती तमिलनाडु का एकंबरेश्वर चिदंबरम और अंततः रामेश्वरम मंदिरो को 79°E 4154 लॉन्गटूड की भोगोलिक सीधी रेखा में बनाया गया है, यह सारे मंदिर प्रकृति के 5 तत्वों में लिंग की अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसे हम आम भाषा में पंचभूत कहते हैं, पंचभूत यानि पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, और अंतरिक्ष, इन्हीं पाँच तत्वों के आधार पर इन पाँच शिवलिगों को प्रतिष्ठापित किया गया है, जल का प्रतिनिधित्व तिरूवनैकवल मंदिर में है ,आग का प्रतिनिधित्व तिरूवन्नमलई में है , हवा का प्रतिनिधित्व कालाहस्ती में है, पृथ्वी का प्रतिनिधित्व कांचीपुरम में है, और अंत में अंतरिक्ष का प्रतिनिधित्व चिदंबरम मंदिर में है, वास्तु -विज्ञान - वेद के अदभुत समागम को दर्शाते हैं ये पाँच मंदिर में,भौगोलिक रूप से भी इन मंदिरो में विशेषता पाई जाती है, इन पाँच मंदिरो को योग विज्ञान के अनुसार बनाया गया था और एक दूसरे के साथ एक निश्चित भौगोलिक संरेखण में रखा गया है, इस के पीछे निश्चित ही कोई विज्ञान होगा जो मनुष्य के शरीर पर प्रभाव करता होगा, इन मंदिरो का करीब पाँच हजार वर्ष पूर्व निर्माण किया गया था जब उन स्थानों के अक्षांश और देशांतर को मापने के लिए कोई उपग्रह तकनीक उपलब्ध ही नहीं था तो फिर पुरातन वज्ञिान इतना गहन था कि इतने सटीक रूप से पाँच मंदिरो को प्रतिष्ठापित किया गया था। केदारनाथ और रामेश्वरम के बीच 2384 किमी की दूरी है लेकिन ये सारे मंदिर लगभग एक ही समानांतर रेखा में पडते हैं, आखिर हजारों वर्ष पूर्व किस तकनीक का उपयोग कर इन मंदिरो को समानांतर रेखा में बनाया गया है यह आज तक रहस्य ही है। श्रीकालहस्ती मंदिर में टिमटिमाते दीपक से पता चलता है वह वायु लिंग है तिरूवन्निका मंदिर के अंदरुनी पठार में जल बसंत से पता चलता है कि यह जल लिंग है। अन्नामलाई पहाडी पर विशाल दीपक से पता चलता है कि वह अग्नि लिंग है। कांचीपुरम के रेत के स्वयंभू लिंग से पता चलता है कि वह पृथ्वी लिंग और चिदंबरम की निराकार अवस्था से भगवान की निराकारता यानि आकाश तत्व का पता चलता है।अब यह आश्चर्य की बात नहीं तो और क्या है कि ब्रह्मांड के पाँच तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाले पाँच लिगों को एक समान रेखा में सदियों पूर्व ही प्रतिष्ठापित किया गया है। हमें हमारे पूर्वजो के ज्ञान और बुद्धिमत्ता पर गर्व होना चाहिए कि उनके पास ऐसी विज्ञान और तकनीक थी जिसे आधुनिक विज्ञान भी नहीं भेद पाया है, माना जाता है कि केवल यह पाँच मंदिर ही नहीं अपितु इसी रेखा में अनेक मंदिर होंगे जो केदारनाथ से रामेश्वरम तक सीधी रेखा में पडते हैं, इस रेखा को शिवशक्ति अक्श रेखा भी कहा जाता है ! संभवतया यह सारे मंदिर कैलाश को ध्यान में रखते हुए बनाये गये हो जो 81.3119° ई में पडता है। कमाल की बात महाकाल से शिव ज्योतिर्लिंगों के बीच कैसा संबंध है जो पुरातन संस्कृति ने वैज्ञानिक रूप से बनाया जैसेः-

उज्जैन से सोमनाथ - 777 किमी
उज्जैन से ओंकारेश्वर - 111 किमी
उज्जैन से भीमाशंकर - 666 किमी
उज्जैन से काशी विश्वनाथ - 999 किमी
उज्जैन से मल्लिकार्जुन - 999 किमी
उज्जैन से केदारनाथ - 888 किमी
उज्जैन से त्रयंबकेश्वर - 555 किमी
उज्जैन से बैजनाथ - 999 किमी
उज्जैन से रामेश्वरम - 1999 किमी
उज्जैन से घृष्णेश्वर -555 किमी

सनातनी धर्म हिंदू में बिना कारण के कुछ भी नहीं होता था, यानि उज्जैन पृथ्वी का केंद्र माना जाता है जो सनातन धर्म में हजारों सालों से मानते आ रहे हैं इसलिए करीब 2050 वर्ष पहले उज्जैन में सूर्य की गणना के लिए मानव निर्मित यंत्र भी बनाये गये थे उज्जैन से शेष ज्योतिर्लिगों की दूरी अति रोचक है, और जब करीब 100 साल पहले पृथ्वी पर काल्पनिक रेखा (कर्क) अंग्रेज वैज्ञानिक द्वारा बनायी गई तो उनका मध्य भाग उज्जैन ही निकला। आज भी शोध हेतु वैज्ञानिक उज्जैन आते हैं और सूर्य और अंतरिक्ष की जानकारी प्राप्त करते हैं जो वैज्ञानिक शोध जारी है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

साइन लैंग्वेज संकेतों का हुनर

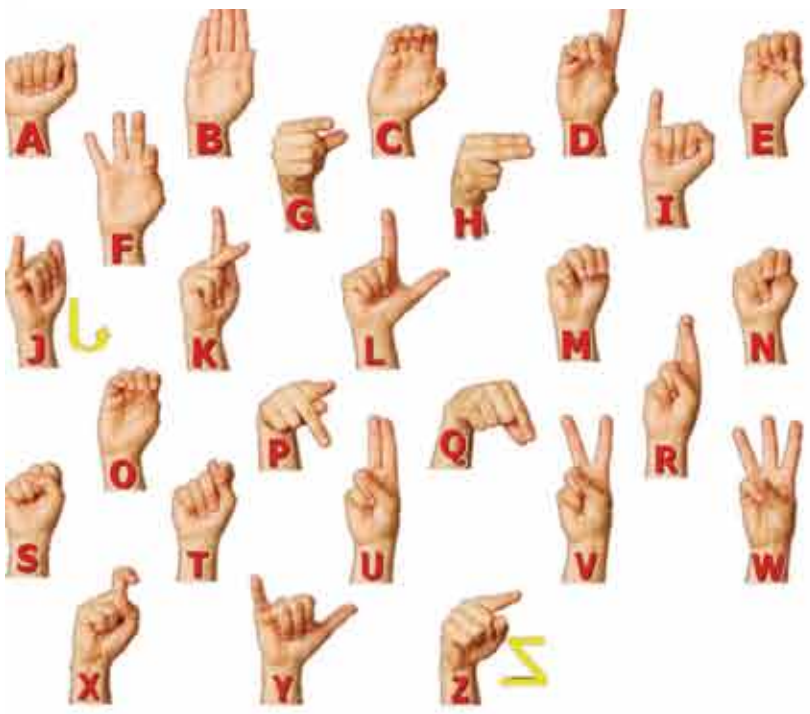

साइन लैंग्वेज यानी मूक बधिरों की भाषा सीखना आपके करियर के लिए नए रास्ते खोल सकता है। किसी भी भाषा में साइन लैंग्वेज सीख लेने पर आप शिक्षा, समाज सेवा, सरकारी क्षेत्र, बिजनेस से लेकर परफॉर्मिंग आर्ट, मेंटल हेल्थ, मेडिकल, कानून से लेकर और बहुत से क्षेत्रों में नौकरी पा सकते हैं। इतना ही नहीं, संकेतों को समझने और समझाने में माहिर होना विदेशों में भी काम दिला सकता है।

दूरदर्शन पर मूक बधिरों के समाचारों में आपने देखा होगा कि किस तरह समाचार वाचक के बोलने पर संकेतों की भाषा में इंटरप्रेटर (दुभाषिया) उसे समझाता है। भले ही यह एक सामान्य बात हो, पर इस साइन लैंग्वेज में दक्षता हासिल करना आपके करियर को नई दिशा दे सकता है। किसी भी भाषा में साइन लैंग्वेज सीख कर आप अपना करियर बना सकते हैं। सांकेतिक भाषा सीखने के लिए देश भर में कई सेंटर तो काम कर ही रहे हैं, साथ ही अमेरिकन साइन लैंग्वेज जैसे कोर्स ऑनलाइन भी किए जा सकते हैं। इतना ही नहीं, लैंग्वेज के बेसिक्स सीखने के बाद अन्य तकनीकी दक्षता हासिल करना तरक्की को और करीब ले आता है।

साइन लैंग्वेज करियर के तौर पर

साइन लैंग्वेज सीखने के बाद आपको शिक्षा, समाज सेवा, धर्म, सरकारी क्षेत्र, बिजनेस से लेकर परफॉर्मिंग आर्ट, मेंटल हेल्थ, मेडिकल, कानून से लेकर और बहुत से क्षेत्रों में काम मिल सकता है। खासतौर पर स्वयंसेवी संस्थाओं में काम करने के मौके बहुत हैं। यदि आप के भीतर उद्यमी बनने के गुण हैं तो अपना खुद का प्रशिक्षण संस्थान या किंडरगार्टन भी शुरू कर सकते हैं। यहां मूक-बधिर बच्चों को यह भाषा सिखा सकते हैं। परफॉर्मिंग आर्ट में भी करियर के विकल्प हैं। इन दिनों कई कॉरपोरेट कंपनियां भी शारीरिक अक्षमताओं वालों को अपने यहां काम करने के मौके दे रही हैं, ऐसे में कॉरपोरेट क्षेत्र में भी साइन लैंग्वेज को उम्मीदवार की अतिरिक्त योग्यता के तौर पर देखा जाने लगा है। एक कंपनी में कार्यरत गौरव बताते हैं, 'सांकेतिक भाषा सीखना भले ही आसान हो, मगर यहां हर कोई करियर नहीं बना सकता। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए रचनात्मक सोच का होना जरूरी है।'

क्या होती है भूमिका

साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर सामने वाले की बात को सुन कर फिर उसे तय संकेतों में ढाल कर दूसरे को बताता है। भाषा संकेत अमेरिकन इंग्लिश में सबसे ज्यादा प्रचलित माने जाते हैं। कई स्कूल-कॉलेजों में मूक-बधिर छात्रों के साथ-साथ सामान्य छात्र भी सांकेतिक भाषा सीखते हैं। इस विषय में स्नातक करने वाले शिक्षा के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

समझो समय का 'इशारा'

भारत में बहरे व्यक्तियों की समस्या विश्व में सबसे ज्यादा है। सांकेतिक भाषा उनकी प्राकृतिक भाषा है। इन्हें शिक्षा के क्षेत्र से जोड़ने के लिए साइन लैंग्वेज में शिक्षकों की मांग बढ़ी है। तीन साल पहले इग्नू (इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी) ने सेंट्रल लैंकशायर विश्वविद्यालय के साथ मिल कर तीन साल का प्रोग्राम शुरू किया था। हालांकि अभी इस कोर्स के स्थायित्व को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

कैसे होती है पढ़ाई

देश में बधिरों को पढ़ाने के दो तरीके हैं। पहला मौखिक कम्युनिकेशन और दूसरा इंडियन साइन लैंग्वेज। देश के लगभग 500 स्कूलों में दूसरे तरीके से सिखाने की सुविधा है, लेकिन ट्रेंड शिक्षकों के अभाव में देश में बड़ी संख्या में जन्म से बहरे बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पा रही है। हालांकि इग्नू लगातार सभी स्कूलों को इस सेंटर से जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है।

बर्फी जैसी फिल्में जरूरी

'डेफ कैन स्टडी' फिल्म बना कर विश्वजीत नायर ने न सुन पाने वालों की एक अलग ही तस्वीर पेश की। वह इग्नू में बैचलर आफ आर्ट इन इंडियन साइन लैंग्वेज के छात्र हैं। इग्नू से उनकी पढ़ाई जारी है। वह कहते हैं, 'फिल्मों के जरिये मैं बहरे लोगों के प्रति समाज की सोच बदलना चाहता हूं। फिल्म बर्फी ने यह छवि बदलने में काफी मदद की है। मैं भविष्य में ऐसी ही फिल्में बनाना चाहता हूं। इग्नू ने सितंबर 2011 में भारतीय सामाजिक न्याय व सशक्तता विकास विभाग द्वारा मिल कर आईएसएलआरटीसी (इंस्टीट्यूट आफ साइन लैंग्वेज रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर) शुरू किया था।

हर जगह हैं प्रगति के अवसर

अक्सर लोग यह शिकायत करते दिखाई देते हैं कि उन्हें नेतृत्व करने का मौका नहीं मिलता, जबकि सच्चाई यह है कि नेतृत्व करने के अवसर हर जगह हैं। यहां खुद से भी कुछ प्रश्न पूछने जरूरी हो जाते हैं मसलन, क्या आप अपने आसपास के परिवेश और उसकी जरूरतों से अवगत हैं? क्या आप अपने साथ और अधीनस्थ लोगों का ध्यान रखते हैं? समस्या का समाधान करने की पहल करते हैं? यदि हां, तो निम्न बातों को जानना और उन्हें अपनाना आपको सफलता के और नजदीक ले जाएगा।

सौ प्रतिशत

अपने जीवन और करियर की सौ प्रतिशत गारंटी लें। अपनी असफलताओं के लिए दूसरों को दोष न दें। हमारी असफलताएं सफलता हासिल करने के हमारे सफर को लंबा कर सकती हैं, पर खत्म नहीं सकतीं। जरूरत है तो बस अपनी गलतियों से सीखने की। अपने काम के प्रति जवाबदेह होना लीडरशिप की दिशा में कदम बढ़ाना है।

अपने मजबूत पक्षों को उभारें

अपनी क्षमताओं को समझें। जिस काम को करके आपको खुशी मिलती है और बेहतर तरीके से कर पाते हैं, उसमें विशेषज्ञता हासिल करें। इसके साथ जो बात जरूरी है, वह यह कि अपने साथ वालों की मदद के लिए तैयार रहें।

लक्ष्य बड़ा बनाएं

अपने लक्ष्यों का निर्धारण करना कितना जरूरी है, यह सब जानते हैं। पर साथ ही यह भी जरूरी है कि आप बड़े लक्ष्य बनाएं। मस्तिष्क को छू जाने वाले लक्ष्य बनाएं, इसका नतीजा होगा कि आप उन्हें हासिल करने की दिशा में अपने कदम आगे बढ़ाएंगे।

अपने डर को अपनी ताकत बनाएं

अपने डर को पहचानें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें। अपनी असुरक्षाओं को दूर करें। उत्साह और जोश के साथ कदम बढ़ाना सफलता के नजदीक ले जाता है।

सक्रिय बनें

किसी नए कार्य को करने का मन बनाएं और इसके लिए पहल करें। कितने ही लोग अपनी क्षमताओं पर यकीन न करने के कारण अपने अच्छे विचारों को बेकार साबित कर देते हैं।

प्रक्रिया का आनंद लें

जो भी काम कर रहे हैं, उसे आनंद के साथ करें। अक्सर हम खुद को दयनीय बना देते हैं, यह सोच कर कि हम अच्छा काम नहीं कर रहे हैं।

वास्तविक रहें

दूसरों से प्रेरित होना अच्छी बात है, पर उनकी नकल करना हमेशा काम नहीं आता। वास्तविक रहें और खुद को स्वीकार करें। जोखिम लें, इससे कुछ बड़े अनुभव आपको होंगे।

प्रत्येक व्यक्ति लीडर है और लीडर बनने की क्षमता रखता है। लीडरशिप महज एक पद नहीं है, यह एक एटीट्यूड है, जो व्यक्ति के पूरे जीवन में झलकता है। उसके काम में, उसके फैसलों और चुनाव में नजर आता है।

प्रेजेंटेशन घबराना कैसा!

'क्या कहना है', जितना ही जरूरी होता है 'कैसे कहना है'। सूचनाओं को पेश करने का तरीका, दूसरों से मिलने वाली प्रतिक्रिया और सहयोग पर बड़ा असर डालता है। तभी इसे मैनेजरों वाला गुण कहा भी गया है। कॉरपोरेट दुनिया में इसे एक ऐसा कौशल माना गया है जो उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। यही वजह है कि प्रोफेशनल कोर्सेज में प्रेजेंटेशन स्किल्स पर खासा जोर दिया जाता है। क्लास या ऑफिस में आपकी प्रेजेंटेशन पर कैसे जमी रहेगी सबकी नजर

आज की कॉरपोरेट दुनिया में तो यह वाक्य पूरी तरह सटीक बैठता है। हर समय एक मंच तैयार रहता है, जहां हम अपनी बुद्धि और सामर्थ्य का प्रदर्शन कर कामयाबी की सीढ़िया चढ़ सकते हैं। पर प्रेजेंटेशन के इस मंच पर कामयाबी पाना हर किसी के बस की बात नहीं होती। यही वजह होती है पढ़ाई के दौरान पहली बार कक्षा में प्रोजेक्ट पेश करने की बात हो या फिर नौकरी के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के सामने अपने प्रोजेक्ट को पेश करने की, दक्ष और अनुभवी कर्मियों के हाथ-पैर भी ठंडे पड़ जाते हैं।

किसी वस्तु या विचार की मार्केटिंग करते समय इस बात पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है कि आप उसे किस तरह प्रस्तुत करेंगे।। हो सकता है कि आपके पास तमाम सूचनाएं और तथ्य एकत्र हों, पर यदि आपकी प्रेजेंटेशन ढीली होगी तो उनका असर और उससे होने वाला लाभ कम हो जाएगा। अब प्रश्न उठते हैं कैसे प्रेजेंटेशन को महत्वपूर्ण व रोचक बनाया जा सकता है? कैसे प्रेजेंटेशन दूसरे उम्मीदवारों से ज्यादा प्रभाव डालने वाली हो सकती है? कैसे प्रेजेंटेशन को कम शब्दों में अधिक जानकारी देने वाली बनाया जा सकता है? यहां कुछ ऐसी ही सलाहें, उपयोगी टूल्स व तकनीक की जानकारी दी जा रही है, जो आपकी प्रेजेंटेशन को दमदार बना सकते हैं।

प्रजेंटेशन के पांच 'पी'

यूं तो मैनजमेंट के क्षेत्र से जुड़े लोगों की बेसिक स्किल्स में प्रेजेंटेशन को शामिल किया जाता है। पर, अगर आपने इस कला में महारत हासिल कर ली तो यह गुर आपको करियर की बुलंदी तक पहुंचाने की क्षमता रखता है। इस दिशा में 'फाइव पी' का फॉर्मूला समझना और अपनाना आपकी मदद कर सकता है। फाइव पी का मतलब है- प्लान यानी योजना, प्रिपेयर यानी तैयारी, प्रैक्टिस यानी अभ्यास, परफॉर्म यानी प्रदर्शन और पोस्ट-मार्टम यानी उसके सभी पहलुओं पर नजर रखना। प्रजेंटेशन तैयार करने के दौरान इस फॉर्मूले को सीखना प्रेजेंटेशन तैयार करने की आधी जंग जीतने के समान है। एक अच्छी प्रेजेंटेशन में विषय वस्तु व चित्र होने के साथ वक्ता की आवाज, बॉडी लैंग्वेज और बोलने वाले का खुद को पेश करने का ढंग मायने रखता है। इसी तरह प्रेजेंटेशन की रूपरेखा तैयार करते समय कुछ प्रश्न खुद से पूछना अच्छा रहेगा। मसलन, बात का उद्देश्य क्या है, किन मुख्य बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं। प्रेजेंटेशन की शुरुआत में जहां यह स्पष्ट होना चाहिए कि आप सुनने वालों को क्या बताना चाहते हैं, वहीं मध्य भाग में तथ्यों, आंकड़ों व चित्रों को पेश करें। अंत में निष्कर्ष को पेश करें।

सफल प्रेजेंटेशन के मूल मंत्र

- प्रेजेंटेशन तैयार करते समय पहली जरूरत विषय की विस्तृत जानकारी होना है। यदि यह विचार पूरी तरह आपका है तो इस संबंध में पर्याप्त शोध करके तमाम आंकड़ें व तथ्य एकत्र कर लें। बॉस या शिक्षक से बात कर लेना भी अच्छा रहता है।
- कॉरपोरेट ट्रेनर हर्ष भाटिया के अनुसार 'एक अच्छी शुरुआत प्रेजेंटेशन की सफलता को कई गुणा बढ़ा देती है। पूरे आत्मविश्वास के साथ स्टेज पर आएं और प्रसन्नता के साथ सबका अभिवादन करें।' हर्ष कहते हैं, प्रेजेंटेशन देते समय सामने बैठे लोगों के स्तर और समझ दोनों का ध्यान रखना जरूरी होता है।'
- विषय को आसान बनाते हुए सिलसिलेवार ढंग से सही दिशा में ले जाएं। क्या, क्यों, कैसे, कब और कहां आदि प्रश्नों के जवाब आपकी प्रेजेंटेशन पूरी होने तक सामने बैठे लोगों को मिल जाने चाहिए।
- भले ही आपके पीछे प्रोजेक्टर से स्लाइड शो चल रहा हो या फिर कोई चार्ट, आप बराबर लोगों की तरफ भी देखते रहें। इससे सुनने वालों को लगेगा कि आप उनसे ही बातें कर रहे हैं।
- प्रेजेंटेशन बनाते समय निर्धारित समयावधि का ध्यान अवश्य रखें। अनावश्यक विषय को विस्तार देना प्रेजेंटेशन को उबाऊ बना देता है।
- अगर सुविधा उपलब्ध हो तो पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के विकल्प को चुनें। माना जाता है कि अगर हम किसी चीज को देखते हैं तो वे हमारे दिमाग में ज्यादा समय के लिए रहती हैं। पावरप्वॉइंट प्रेजेंटेशन से सूचनाओं और तथ्यों को तकनीक की मदद से फिल्म की तरह पेश करने करने में मदद मिलती है।
- अकसर माना जाता है कि रंगीन चित्र और फॉन्ट ज्यादातर बच्चों को आर्कषित करते हैं, पर ऐसा नहीं है। प्रेजेंटेशन तैयार करते समय अच्छी और अर्थपूर्ण तस्वीरों के साथ-साथ फॉन्ट्स का रचनात्मक ढंग से इस्तेमाल करना प्रेजेंटेशन को आकर्षक बनाता है।
- जितनी दमदार आपकी शुरूआत थी उतना ही दमदार अंत भी होना चाहिए। हमें वहीं चीजें ध्यान रहती हैं, जो हम सबसे पहले या सबसे आखिरी में सुनते हैं। अंत में पूरे विषय को समेटते हुए प्रेजेंटेशन को सकारात्मक बात पर समाप्त करें।

आत्मविश्वास भी है जरूरी

लोगों के सामने अपनी बात कहना हम लोगों में से कई के लिए किसी जंग से कम नहीं। अक्सर लोग विषय की अच्छी जानकारी होने पर दूसरों के सामने एक वाक्य बोलने में भी घबरा जाते हैं। पर घबराने से काम नहीं चलता। विषय की समझ को पुख्ता करें और उसका अभ्यास अपने दोस्तों या मित्रों के सामने करें। प्रेजेंटेशन हाल में कुछ वक्त बिताएं और उसके वातावरण में खुद को ढालने की कोशिश करें। करियर और लाइफ कोच डॉ. राखी सोफ्ता शर्मा कहती हैं, 'अच्छी प्रेजेंटेशन के लिए खुद पर भरोसा और विश्वास होना बेहत जरूरी है, जो कि निरंतर अभ्यास और और विषय के ज्ञान के साथ ही आता है।' प्रेजेंटेशन के दौरान हम कुछ ऐसी चीजें करतें हैं जिसपर हमारा ध्यान तो नहीं जाता लेकिन हमें देखने वाले लोग उसे पकड़ लेते हैं। उन चीजों के बारे में भी जानना जरूरी है।

- हर्ष के अनुसार, अपने हाथों का इस्तेमाल करना एक अच्छी आदत है, लेकिन जरूरत से ज्यादा उपयोग ये दर्शाता है कि आप घबरा रहे हैं या खुद को लेकर आश्वस्त नहीं हैं।
- पोडियम का ज्यादा देर तक सहारा न लें। लोगों से समकक्ष होकर बात करें। जेब में हाथ न डालें और हड़बड़ाएं नहीं।
- जरूरी बात पर जोर देने के लिए उसे दोबारा न भूलें। बोलते समय अपनी आवाज पर नियंत्रण स्थापित करने का अभ्यास करें।
- प्रेजेंटेशन खत्म करते ही तुरंत सीट पर न बैठें। लोगों से बातचीत करें और उन्हें सवाल पूछने का मौका दें।
- प्रेजेंटेशन से पूर्व, अपनी आवाज को वॉर्मअप करें। खुद से बात करें, पर ध्यान रखें कि कोई भी आसपास नहीं हो।
- अपनी आवाज के उतार-चढ़ाव पर ध्यान दें। वाक्य के कम या अधिक महत्व के अनुसार कभी तेज और कभी धीमे ढंग से बात को रखें।
- बात करते समय वाक्य की गति पर ध्यान दें। अक्सर लोग घबराहट में इतनी तेज गति से बोलते हैं कि समाने बैठे लोग शब्दों को पकड़ ही नहीं पाते।
- आवाज की टोन पर ध्यान देना जरूरी है। एक ही टोन प्रेजेंटेशन को बोर कर देती है। विषय को पूरी ऊर्जा के साथ प्रस्तुत करें।
- प्रेजेंटेशन से पूर्व गैर उपयोगी शब्द या ऐसे शब्द जिनको आप अक्सर इस्तेमाल में लाते हैं, बोलने से बचें। इस प्रक्रिया में किसी की मदद लेना अच्छा रहेगा। बोलते समय 'अम्म', अरे, ओके, हम्म आदि बोलना या आवाज करना सुनने में अच्छा नहीं लगता।

ऐसा हो आपका पावरप्वॉइंट प्रेजेंटेशन

1980 के अंत में एप्पल कंपनी ने सबसे पहले वेंचर कैपिटल को आकर्षित करने के लिए पावरप्वॉइंट प्रेजेंटेशन का इस्तेमाल किया था। तभी से यह क्लासरूम से लेकर कॉरपोरेट दुनिया में अपने प्रोडक्ट और पोजेक्ट को पेश करने का प्रभावी तरीका बन गया है।

कैसे करें तैयारी..

पावरप्वॉइंट पर स्लाइड बनाना आजकल स्कूलों में भी सिखाया जाने लगा है। प्रेजेंटेशन को श्रोताओं को दिमाग में रखकर तैयार करें। सारी स्लाइड सही क्रम में हों और उस पर सही सूचना लिखी गयी हों, इस पर गौर करना आपका काम है। दूसरी सबसे महत्वपूर्ण बात है स्लाइड के स्क्रीन पर होने की अवधि। स्लाइड की अवधि और अपने बोलने के समय का सही तालमेल बिठाना जरूरी है। कंटेंट और कम्यूनिकेशन कंसल्टेंट अरुण कटियार कहते हैं, 'बुलेट का हद से ज्यादा इस्तेमाल करना प्रेजेंटेशन में अजीब सी रुकावट पैदा करता हैं। इसकी जगह पावरप्वॉइंट पर मौजूद 'वर्ड क्लाउड' का इस्तेमाल करें। बहुत सारी स्लाइड बनाना समझदारी नहीं है। समय की अवधि को ध्यान में रखकर स्लाइड बनाएं। मसलन अगर आपको 12 मिनट की प्रेजेंटेशन देनी है तो शीर्षक, परिचय और निष्कर्ष समेत 10 स्लाइड आपकी प्रेजेंटेशन के लिए काफी होंगी। प्रेजेंटेशन में बड़े और साफ अक्षरों का इस्तेमाल करें। कभी भी सफेद बैकग्राउंड पर पीले या गुलाबी जैसे हल्के रंगों का इस्तेमाल न करें। हमेशा काले, नीले, लाल और हरे जैसे गाढ़े रंगों का इस्तेमाल करें। लेकिन अगर बैकग्राउंड गाढ़े रंग का है, तो हल्के रंगों का इस्तेमाल एकदम सही रहेगा। बैकग्राउंड को साधारण रखें। उसमें ज्यादा इफेक्ट्स डालना प्रेजेंटेशन को बोझिल बनाता है।

अब सर्जरी कराएंगे नीरज

पेरिस। भारत के स्टार भाला फैंक खिलाड़ी स्टार नीरज चोपड़ा अब मांसपेशियों से संबंधित समस्या की सर्जरी करायेंगें। नीरज को ओलंपिक से पहले ही जांघ की मांसपेशियों में दर्द उठा था पर तब उन्हें सर्जरी टालनी पड़ी थी। अब ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद नीरज के पास सर्जरी के लिए समय है। नीरज में पैर की मांसपेशियों में दर्द के बाद भी 89.45 मीटर का थ्रो किया था। वह 2 ओलिम्पिक पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र एथलीट हैं। उन्होंने टोक्यो में स्वर्ण पदक जीता था। नीरज ने कहा कि अभी मेरे दिमाग में बहुत कुछ है। जब मैं थ्रो करता हूं तो मेरा 60-70 फीसदी ध्यान चोट पर रहता है। मैं घायल नहीं होना चाहता। जब भी मैं थ्रो करने जाता हूं तो कि मेरी गति कम होती है। डॉक्टर ने भी मुझे सर्जरी के लिए जाने के लिए कहा था पर मेरे पास विश्व चैम्पियनशिप से पहले या विश्व चैम्पियनशिप के बाद यह निर्णय लेने के लिए इतना समय नहीं था क्योंकि ओलंपिक की तैयारी करनी थी। उन्होंने कहा कि मैं अभी भी इस परेशानी के साथ खेल को आगे बढ़ा रहा हूं पर ये सही नहीं है। यदि आप एक लंबा करियर चलाना चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। अब ओलंपिक समाप्त होने के बाद हम इस पर काम करेंगे और तकनीक पर काम करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि फिटनेस के मामले में पिछले 7 साल उनके लिए मुश्किल रहे। उन्होंने कहा कि मुझे 2017 में यह दर्द महसूस हुआ। तब मैंने इसका बहुत इलाज करवाया पर अब मुझे इसको लेकर सर्जरी के लिए जाना ही होगा।

महिला टी20 विश्वकप के लिए बीसीबी ने सेना प्रमुख से मांगी सुरक्षा गारंटी

ढ़ाका। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के कारण अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी उसके हाथ से निकलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसी से चिन्तित बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अब सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमान से टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा मांगी है। बांग्लादेश में फैली हिंसा के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा था। इस स्थिति में महिला टी20 विश्व कप का अक्टूबर में आयोजन मुश्किल माना जा रहा है हालांकि नई सरकार बनने के बाद बीसीबी को उम्मीद है कि सेना आयोजन में सहायता करेगी। महिला टी20 विश्व कप बांग्लादेश के सिलहट और मीरपुर में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के अभ्यास मैच अगले माह 27 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। इसी को देखते हुए ही बीसीबी ने सेना प्रमुख को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। बीसीबी अंपायरिंग कमेटी के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद मिठू ने कहा, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें दो माह ही बचे हैं , इसलिए हमने महिला टी20 विश्व कप में सुरक्षा की गारंटी को लेकर प्रमुख को एक पत्र भेजा है क्योंकि हमारे पास अब केवल दो महीने का समय बचा है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भी बांग्लादेश के हालातों पर नजरें लगी हुई हैं। माना जा रहा है कि अगर हालात ठीक नहीं हुए तो आईसीसी किसी अन्य देश को इसकी मेजबानी दे सकता है। ऐसे में भारत, संयुक्त अरब अमीरात और श्रीलंका में इस विश्वकप का आयोजन हो सकता है।

अमेरिकी खिलाड़ी बोला , अभी से खराब होने लगे हैं पदक

पेरिस। अमेरिकी खिलाड़ी निजाह हुडसन ने पेरिस ओलंपिक में मिले पदकों की गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। हुडसन के अनुसार ओलंपिक पदक जीतना सभी खिलाड़ियों का सपना रहता है। जो खिलाड़ी इसमें शामिल होते हैं वह अपने पदक को हमेशा के लिए सुरक्षित बनाये रखना चाहते हैं। हुडसन के अनुसार इसबार मिले पदकों की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। ऐसे में इसे जीवन भर संजो कर रखना संभव नहीं होगा। इस एक अमेरिकी खिलाड़ी ने आरोप लगाया है कि उन्हें मिला कांस्य पदक बेरंग होने के साथ ही खराब भी होने लगा है। इस खिलाड़ी ने पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग में तीसरे स्थान पर रहते हुए ही कांस्य पदक जीता था। यहां जापान के युटो होरिगोम ने स्वर्ण पदक जीता था। हुडसन ने खराब हो रहे पदक की तस्वीर भी साझा करते हुए कहा है कि आप देख सकते हैं कि पदक का रंग भी उतरने लगा है। इस खिलाड़ी ने पदक को लेकर कहा, ये ओलंपिक पदक तब अच्छे लगते हैं जब वे बिल्कुल नए होते हैं पर इसे थोड़ी देर के लिए पसीने के साथ अपनी त्वचा पर रखने और फिर सप्ताह के अंत में अपने दोस्तों दिखाने के बाद इसकी खराब गुणवत्ता नजर आने लगती है। इस खिलाड़ी ने कहा कि हमें पदक जीते एक सप्ताह हुआ है पर पदक का रंग खराब होने लगा है। मेरा मतलब है कि ये खराब होना शुरु हो गया है। यहां तक कि सामने का हिस्सा भी थोड़ा-थोड़ा उखड़ने लगा है। इसलिए पदकों की गुणवत्ता बेहतर बनानी होगी।

महावीर फोगाट बोले- विनेश को जरूर मिलेगा सिल्वर मेडल

नई दिल्ली। महिला पहलवान विनेश फोगाट के ताऊ महावीर फोगाट ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही फैसला आएगा कि विनेश को सिल्वर मेडल मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, खेल पंचाट का फैसला भारत को हक में आएगा। खेल कोर्ट यानि कोर्ट ऑफ आबिरेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) द्वारा विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल देने का फैसला रविवार तक टालने के बाद महावीर फोगाट ने कहा कि सुनवाई पूरी हो चुकी है। हमें सीएएस के फैसले का इंतजार है। हमें इंतजार करते तीन दिन हो गए हैं... अब जब भी फैसला आएगा उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, इसके लिए उनका धन्यवाद। उन्होंने उम्मीद जताई कि विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल जरूर मिलेगा। वहीं, विनेश के संन्यास लेने की घोषणा पर महावीर फोगाट ने कहा कि हमारा परिवार उनसे फैसला वापस लेने को कहेगा। हम उन्हें 2028ओलंपिक में लड़ने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे।

अब युवा खिलाड़ियों को कोचिंग देते दिखेंगे श्रीजेश

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के साथ ही संन्यास लेने वाले दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश अब जूनियर टीम को कोचिंग देते हुए दिखेंगे। माना जा रहा है कि हॉकी इंडिया ने श्रीजेश से बात कर ली है और शीघ्र ही उन्हें जूनियर खिलाड़ियों को निखारते हुए देखा जा सकता है। इस मामले में हॉकी इंडिया आने वाले दिनों में घोषणा करेगा। हॉकी इंडिया इसलिए श्रीजेश को कोच बनाना चाहती है क्योंकि उनका दो दशक का करियर विवादों से रहित रहा है। श्रीजेश कोच के साथ ही कप्तान भी रहे हैं और उन्होंने अपने करियर में अपने ही बल पर कई मैच जीते हैं। ओलंपिक में भी इस बार श्रीजेश ने कई गोल रोककर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा ,' श्रीजेश को कुछ दिन के अंदर ही पुरूष जूनियर टीम का कोच बनाएंगे। हमने इस बारे में उनसे बात कर ली है। हमारा मानना है कि युवाओं को उनसे बेहतर कोई मार्गदर्शन नहीं दे सकता। उसमें असाधारण क्षमता है जो उसने ब्रिटेन के खिलाफ मुकाबले में दिखायी। वह आने वाली पीढ़ी के गोलकीपरों को भी अमूल्य मार्गदर्शन देगा। 'टिर्की ने कहा,'हम चाहते हैं कि श्रीजेश कृशन बहादुर पाठक और सूरज करकेरा जैसे युवा गोलकीपरों को मार्गदर्शन दें जो उनकी जगह लेने जा रहे हैं।'अगले साल भारत में जूनियर विश्व कप होने वाला है। टिर्की ने कहा ,'श्रीजेश अगले साल जूनियर विश्व कप के लिए टीम को तैयार कर सकता है।'

व्यापार

वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनी परिणाम तय करेंगे बाजार की चाल: विश्लेषक

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे

मुंबई। इस सप्ताह वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनियों के जून तिमाही के परिणाम, जुलाई की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझान से शेयर बाजार की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधि भी बाजार में गतिविधियों को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस सप्ताह चार दिन ही कारोबार होगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विश्लेषक ने कहा कि इस सप्ताह सबका ध्यान वैश्विक बाजारों पर रहेगा क्योंकि हम स्थिरता की लंबी अवधि के बाद कमजोरी का असर देख सकते हैं। भारतीय इक्विटी बाजार में भी इस सप्ताह कुछ हद तक स्तर बनाए रखने की स्थिति से जूझ सकते हैं। बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के अलावा भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर अप्रैल-जून तिमाही के लिए कंपनियों के वित्तीय नतीजों का अंतिम दौर इस सप्ताह खास शेयरों की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह हीरो मोटोकॉर्प और हिंडाल्को जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रवाह भी बाजार की गतिशीलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वोडाफोन आइडिया, एनएमडीसी, आईआरसीटीसी, एसजेवीएन और पीसी ज्वैलर भी सप्ताह के दौरान अपनी तिमाही आय की घोषणा करेंगे। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर सोमवार को जून के औद्योगिक उत्पादन आंकड़े और जुलाई की खुदरा मुद्रास्फीति दर की घोषणा की जाएगी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति का आंकड़ा बुधवार को जारी किया जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह आने वाले भारतीय मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अलावा वैश्विक बाजार घरेलू बाजार की दिशा तय करेंगे।

घाटे में चल रही इंडिया सीमेंट्स को बेचते ही कंपनी ने की करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली। इंडिया सीमेंट्स ने शनिवार को अपना जून तिमाही का आंकड़ा पेश किया लगातार पांच तिमाहियों तक घाटे में रहने के बाद कंपनी की किस्मत बदलने लगी है। जून तिमाही में दक्षिण भारत की दिग्गज सीमेंट कंपनी इंडिया सीमेंट्स ने 57.5 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है। पिछले साल समान तिमाही में कंपनी को 87 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 28.5 फीसदी की गिरावट के साथ 1,027 करोड़ रुपए रहा था जो पिछले साल समान तिमाही में 1,436 करोड़ रुपए था। अल्ट्राटेक सीमेंट जल्दी ही इंडिया सीमेंट्स को टेकओवर करने वाली है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने हाल में इंडिया सीमेंट्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए प्रमोटर परिवार के साथ 3,954 करोड़ रुपए की एक डील की है। डील के मुताबिक आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट चेन्नई की कंपनी इंडिया सीमेंट्स में करीब 33फीसदी हिस्सेदारी खरीद रही है। यह डील इंडिया सीमेंट्स 390 रुपए प्रति शेयर पर होगी। यह जून में अल्ट्राटेक द्वारा खरीदी गई 23फीसदी हिस्सेदारी से अलग है। साथ ही इंडिया सीमेंट्स के पब्लिक शेयर होल्डर्स से अतिरिक्त 26फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने अल्ट्राटेक खुली पेशकश करेगी। इस तरह कंपनी में अल्ट्राटेक का कुल निवेश 7,100 करोड़ का हो जाएगा। इससे अल्ट्राटेक को दक्षिण भारत के बाजार में अपनी धाक जमाने का मौका मिल जाएगा। इंडिया सीमेंट्स के तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में प्लांट लगे हुए हैं जिनकी क्षमता 14.5 मिलियन टन है। इंडिया सीमेंट्स का प्रमोटर श्रीनिवासन परिवार है। एन श्रीनिवासन अपने पिता और कंपनी के सह-संस्थापक के 1968 में निधन के बाद इंडिया सीमेंट्स में शामिल हुए थे। अभी वह कंपनी के वाइस-चेयरमैन हैं। श्रीनिवासन उम्र के चलते स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उनकी पत्नी और बेटी की कंपनी को चलाने में रुचि नहीं है। अधिग्रहण पूरा होने के बाद तीनों कंपनी के बोर्ड से हट जाएंगे। कंपनी पिछले कुछ समय से वित्तीय समस्याओं का सामना कर रही है। इस साल की शुरुआत में कुछ विदेशी मुद्रा लेनदेन के संबंध में ईडी ने उसके ठिकानों पर छापा भी मारा था।

बीएसएनएल 4जी, 5जी के लिए ओटीए और यूएसआईएम मंच पेश करेगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) 4जी और 5जी नेटवर्क को बेहतर करने के लिए ओवर-द-एयर (ओटीए) और यूनिवर्सल सिम (यूएसआईएम) मंच की शुरुआत करेगी। इससे ग्राहक अपना मोबाइल नंबर चुनने के साथ-साथ भौगोलिक प्रतिबंधों के बिना सिम बदल सकेंगे। ओटीए उपकरण को परीक्षण उपकरण से जोड़ने की विधि है। बीएसएनएल ने कहा कि पायरो होल्डिंग्स के सहयोग से विकसित इस मंच का उद्घाटन चंडीगढ़ में किया गया। इसमें त्रिची में आपदा रिकवरी साइट भी शामिल है। बीएसएनएल ने कहा कि नया 4जी और 5जी उपयुक्त मंच देश भर के सभी बीएसएनएल ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी और सेवा गुणवत्ता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी पूरे देश में धीरे-धीरे 4जी नेटवर्क शुरू कर रही है। बयान में कहा गया है कि बीएसएनएल 4जी और 5जी के लिए नेटवर्क को बेहतर कर रही है। ऐसे में इस मंच की शुरुआत इस कदम के अनुकूल है। यह डिजिटल अंतर को पाटने और ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों को सशक्त बनाने तथा अत्याधुनिक दूरसंचार सेवाओं तक समान रूप से पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बीएसएनएल के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पेट्रोल-डीजल के भाव स्थिर

नई दिल्ली। देश की सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने रविवार को पेट्रोल और डीजल के भाव अपडेट कर दिए हैं। इंडियन ऑयल की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। देश के अन्य शहरों में भी रविवार को पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

लेम्बोर्गिनी उरस एसई की डिलेवरी होगी अगले साल

नई दिल्ली। लेम्बोर्गिनी उरस एसई सबसे पहले अमेरिका में लेम्बोर्गिनी लाउंज, न्यूयॉर्क सिटी में लॉन्च की गई थी। यह उरस परफामांटे एसयूवी की सक्सेसर है। अब लेम्बोर्गिनी ने अपनी नई उरस से भारत में लॉन्च कर दी है। इस लग्जरी गाड़ी की कीमत 4.57 करोड़ रुपए एक्स-शोरूम रखी गई है। कंपनी अगले साल से इस गाड़ी की डिलीवरी देना शुरू करेगी। इस गाड़ी में 4.0-लीटर ट्विन टर्बो चार्ज्ड वी 8 इंजन दिया गया है। इस इंजन में प्लग-इन-हाइब्रिड सिस्टम के साथ 25.9 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक भी लगाया गया है। इस इलेक्ट्रिक मोटर के साथ ये कार 800 बीएचपी की पावर और 950 एनएम का टॉर्क जेनरेट होता है। इस कार को आप 60 किलोमीटर तक प्योर इलेक्ट्रिक मोड में चला सकते हैं। लेम्बोर्गिनी उरस एसई में नए डिजाइन किए गए एसी वेंट, अपडेटेड मैटेरियल, नया पैनल और डैशबोर्ड कवरिंग है। इसके अलावा इसमें नई लेम्बोर्गिनी रेवुएल्टो से 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम इस्तेमाल किया गया है, जिसमें ज्यादा रिस्पॉन्सिव यूआई है और इसमें एक डेडिकेटेड टेलीमेट्री सिस्टम है। लेम्बोर्गिनी का दावा है कि यह एसयूवी 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में केवल 3.4 सेकंड लगती है और इसकी अधिकतम गति 312 किमी/घंटा है।

ओटीटी पर रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन

प्राइम वीडियो पर हुई स्ट्रीम

कार्तिक आर्यन स्टारर स्पोर्ट्स बायोग्राफिकल फिल्म चंदू चैंपियन अब सिनेमा के तीसरे पर्दे ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है. चंदू चैंपयिन बीती 14 जून को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई थी. चंदू चैंपियन को एक था टाइगर के डायरेक्टर कबीर खान ने डायरेक्ट किया है. चंदू चैंपियन भारत के पहले पैरालिंपिक गोल्ड मेडेलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी है. खुद गोल्ड मेडेलिस्ट ने इस फिल्म को स्पेशल स्क्रीनिंग पर देखा था. अब देश के इस पूर्व स्टार खिलाड़ी की कहानी ओटीटी पर भी स्ट्रीम होने जा रही है. चंदू चैंपयिन कब और किस प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी आइए जानते हैं. चंदू चैंपियन आज प्राइम वीडियो पर दुनियाभर के 240 से ज्यादा देश और टेरेटरी में स्ट्रीम हो रही है. बता दें, फिल्म चंदू चैंपियन के मेकर्स नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने बीती रात को एक रेंडम एक्स पोस्ट में फिल्म की ओटीटी रिलीज की तारीख का एलान किया है. इस पोस्ट में मेकर्स ने लिखा है, यह कहानी जिंदगी में आने वाली लाख कठिनाईयों से उबरने वाले स्टार की है, आप भी इस कहानी के हीरो की जिंदगी के गवाह बनें. आप चंदू चैंपियन को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं 9 अगस्त से. चंदू चैंपियन एक सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है. इसमें साल 1965 के भारत-पाक के वार के सैनिक जो घायले हुए थे. इसमें एक मुरलीकांत पेटकर भी थे, जो साल 1972 में पैरालिंपिक गोल्ड मेडेलिस्ट बने. एक्टर कार्तिक आर्यन ने इस रोल को प्ले किया है और दो साल तक इस रोल पर जमकर काम किया. कार्तिक आर्यन ने इस फिल्म के लिए अपना अपना कई किलो शारीरिक वजम भी घटाया था. फिल्म में एक 8 मिनट लंबा वॉर सीन भी है.

बॉक्स ऑफिस पर अंतिम सांसें गिन रही जाह्नवी कपूर की उलझ

एक हफ्ते में 10 करोड़ भी नहीं कमा पाई फिल्म

साल 2024 में अब तक कई फिल्में रिलीज हो चुकी है लेकिन कुछ ही फिल्में दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही हैं. जहां 'मुंज्या जैसी कम बजट की फिल्मों ने ताबड़तोड़ कमाई कर हैरान किया तो अक्षय कुमार स्टारर 'बड़े मियां छोटे मियां जैसी बड़े बजट की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई. हाल ही में जाह्नवी कपूर की स्पाई थ्रिलर 'उलझ और अजय देवगन स्टारर 'औरों में कहां दम था सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. ये दोनों फिल्में भी दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई हैं. जाह्नवी की 'उलझ की बात करें तो ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए तरस रही है. फिल्म को रिलीज हुए 7 दिन हो गए हैं लेकिन ये 10 करोड़ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है. चलिए यहां जानते हैं 'उलझ ने रिलीज के 7वें दिन कतिना कलेक्शन किया है? जाह्नवी कपूर की 'उलझ को दर्शकों से बेहद ठंडा रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म की ओपनिंग ही बेहद खराब हुई थी और रिलीद के चौथे दिन ही इसकी कमाई लाखों में सिमट गई थी. ऐसे में 'उलझ के मेकर्स भी सिर पकड़े बैठे हैं. फिल्म पूरी तरह डूब चुकी है और इसके कलेक्शन में अब उछाल आने की जरा भी उम्मीद नहीं है. वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो 'उलझ ने 1.15 करोड़ से खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म ने 1.75 करोड़, तीसरे दिन 2 करोड़, चौथे दिन 65 लाख, पांचवें दिन भी 65 लाख और छठे दिन 55 लाख का कारोबार किया. वहीं अब 'उलझ की रिलीज के 7वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'उलझ ने रिलीज के 7वें दिन यानी पहले गुरुवार को 50 लाख की कमाई की है. इसी के साथ 'उलझ का सात दिनों का कुल कलेक्शन अब 7.20 लाख हो गया है. 'उलझ को रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है और ये अब अब बॉक्स ऑफिस पर अपनी आखिरी सांसे गिनती हुई नजर आ रही है. फिल्म की बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रिपोर्ट बेहद खराब है.रिलीज के 7 दिन बाद भी 'उलझ 10 करोड़ का कलेक्शन नहीं कर पाई है.ऐसे में ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो चुकी है. हाल ही में, 'उलझ अभिनेता गुलशन देवैया ने अपनी फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन पर अपना रिएक्शन दिया था. फिल्म की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट को रीपोस्ट करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा था, संघर्ष वह नमक है जो सफलता का स्वाद चखता है. जो लोग संघर्ष को स्वीकार नहीं करते वे कभी कुछ सार्थक हासिल नहीं कर पाएंगे. यह एक मुश्किल बिजनेस है. पीरियड. वहीं जब एक एक्स यूजर ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म फिल्मों के लिए बेहतर माध्यम हैं, तो गुलशन ने जवाब दिया था, फीचर फिल्में बड़े पर्दे पर देखने के लिए होती हैं. हिट फ्लॉप तो चलता रहता है. जब सिनेमा की बात आती है तो मैं अपने आदर्शवाद को छोड़ने को तैयार नहीं हूं और यह भी उम्मीद नहीं करता कि लोग इसे समझेंगे.

औरों में कहां दम था की कमाई की रफ्तार धीमी

एक हफ्ते में 10 करोड़ का आंकड़ा छुआ

अजय देवगन और तब्बू की फिल्म औरो में कहां दम था को ठीक एक सप्ताह पहले सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित होती नजर आ रही है।शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का संघर्ष जारी है। पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई है।अब औरो में कहां दम था की कमाई के सातवें दिन के आंकड़े सामने आए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, औरो में कहां दम था ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 10.05 करोड़ रुपये हो गया है।औरों में कहां दम था के निर्देशक नीरज पांडे हैं। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।शीतल भाटिया, कुमार मंगत पाठक और संगीता अहीर इसके निर्माता हैं। इस फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। औरों में कहां दम था में अजय और तब्बू के अलावा जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु महेश्वरी जैसे सितारों ने भी अहम भूमिका निभाई है।इस फिल्म में अजय और तब्बू की अधूरी प्रेम कहानी दिखाई गई है, जो ताउम्र पूरी नहीं हो पाती।बॉक्स ऑफिस पर औरों में कहां दम था का सामना जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ से हो रहा है।इसके अलावा प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है।

महाराष्ट्रीयन लुक में निकिता दत्ता ने ढाया कहर, सादगी भरा अवतार देख लट्टू हुए फैंस

बॉलीवुड की ग्लैमरस और हॉट एक्ट्रेस निकिता दत्ता काफी ज्यादा पॉपुलर हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी का जादू फैंस के बीच इस कदर बिखेरा है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो महाराष्ट्रीयन लुक में नजर आ रही है। निकिता दत्ता ने अपने इस साड़ी लुक को कंप्लीट करने के लिए गले में नेकलेस, हाथों में चूड़ियां, नाक में नथ, कानों में इयररिंग्स, बालों का बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के अपने आउटलुक को कप्लीट किया है। एक्ट्रेस अपने इस आउटलुक में बेहद ही खूबसूरत और गॉर्जियस नजर आ रही हैं। हालांकि फैंस भी उनके इस लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थक रहे हैं। निकिता दत्ता की इन फोटोज पर अबतक 74 हजार से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, कई यूजर्स कॉमेंट्स करते हुए अपने रिएक्शंस दे रहे हैं। बता दें कि चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक निकिता दत्ता अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वा फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है।

जूनियर एनटीआर की एनटीआर31 की रिलीज डेट आउट

केजीएफ डायरेक्टर संग वर्ल्डवाइड धमाका करेंगे आरआरआर स्टार

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने आ रहे हैं. साल 2022 में फिल्म आरआरआर के बाद अब दो फिल्मों से चर्चा में हैं. पहली एक्शन ड्रामा फिल्म देवरा पार्ट 1 और दूसरी है एनटीआर 31. जूनियर एनटीआर की फिल्म एनटीआर 31 को केजीएफ फेम डायरेक्टर प्रशांत नील बना रहे हैं. फिल्म एनटीआर 31 से बड़ा अपडेट आया है. एनटीआर 31 की आज पूजा सेरेमनी हुई और इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान हो गया है. हैदराबाद में एनटीआर 31 की पूजा सेरेमनी के बाद फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया गया है. एनटीआर 31 की पूजा सेरेमनी में जूनियर एनटीआर और डायरेक्टर प्रशांत नील समेत प्रोड्यूसर और पूरी टीम शामिल थी. वहीं, एनटीआर 31 की पूजा सेरेमनी के बाद फिल्म के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर आकर एक पोस्टर शेयर कर फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है. बता दें, एनटीआर 31 के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि फिल्म 9 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति के मौके पर रिलीज होने जा रही है. एनटीआर 31 की रिलीज डेट का एलान कर मेकर्स ने लिखा है , इस बार दुनिया इनके जोर से हिलेगी, एनटीआर 31 धरती पर 9 जनवरी 2026 को रिलीज होने जा रही है. बता दें, इससे पहले 27 सितंबर को जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा पार्ट 1 रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म को कोराताला सिवा ने डायरेक्ट किया है. फिल्म देवरा पार्ट 1 से बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपना साउथ डेब्यू करने जा रही हैं.

अदिति भाटिया ने अपने खास दोस्तों की कराई ग्रूमिंग, देखते रह गए लोग

एक्ट्रेस अदिति भाटिया आज भी लोकप्रिय शो ये है मोहब्बतें में मेन लीड रमन कुमार भल्ला की बेटी रूही भल्ला के किरदार से घर-घर में मशहूर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को अपने पेट डॉग मर्फी और ओली के खास ग्रूमिंग सेशन की एक झलक साझा की। अदिति ने स्टोरीज सेक्शन में अपने पेट डॉग्स के साथ एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में अदिति ने कैजुअल ब्लैक टी-शर्ट पहनी हुई है और उनके पेट डॉग्स कार की खिड़की से बाहर खुशी से देख रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए अदिति ने कैप्शन में लिखा, ग्रूमिंग के बाद लोग इन्हें देख रहे हैं। एक अन्य स्टोरी में अदिति ओली के साथ पोज दे रही हैं और उन्होंने लिखा, वह पिछले दिनों काफी बुरा था!! अदिति ने अपनी एक सेल्फी भी अपलोड की, जिसमें उनके चारों ओर यूनिकॉर्न, फूल, दिल और टेडी बियर के स्टिकर लगे हुए हैं। उन्होंने लिखा, मेरी जिंदगी में बहुत उथल-पुथल है, मैं अपना ख्याल रखना या इंस्टा पर एक्टिव रहना भूल गई हूं, इस समय मैं पागल हो रही हूं। आखिरी तस्वीर में अदिति मर्फी और ओली के साथ सेल्फी ले रही हैं। इस पर कैप्शन लिखा, ओके बाय लव यू। अदिति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की। उन्होंने सबसे पहले छोटे पर्दे पर सीरियल होम स्वीट होम में करिश्मा का रोल अदा किया। वह टीवी सीरियल तुझ संग प्रीत लगाई साजना में तुलसी के किरदार में नजर आईं। उन्होंने शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म विवाह में अमृता राव के बचपन का किरदार निभाया था। यह फिल्म 2006 में रिलीज हुई। इसमें शाहिद कपूर और अमृता राव के साथ अनुपम खेर, आलोक नाथ, सीमा बिस्वास, समीर सोनी और लता सभरवाल भी नजर आए। इसके अलावा उन्होंने फिल्म शूट आउट एट लोखंडवाला में संजय दत्त की बेटी का किरदार निभाया। द ट्रेन में इमरान हाशमी की ऑनस्क्रीन बेटी बनी। वहीं, चांस पे डांस और सरगोशियां जैसी फिल्मों में भी बतौर बाल कलाकार काम किया। लीड एक्ट्रेस के तौर पर अदिति ने टशन-ए-इश्क में काम किया। उन्होंने बबली तनेजा का किरदार निभाया। इसके बाद ये है मोहब्बतें में रूही भल्ला के किरदार में दिखीं। स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाले इस शो का निर्माण एकता कपूर ने बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत किया था।

ओल्ड मनी सॉन्ग रिलीज, सलमान खान और संजय दत्त संग एक्शन मोड में दिखे रैपर एपी ढिल्लों

पॉपुलर पंजाबी सिंगर और वर्ल्ड फेमस रैपर एपी ढिल्लों, सलमान खान और संजय दत्त का न्यू ब्रॉन्ड गाना ओल्ड मनी रिलीज हो गया है. सॉन्ग ओल्ड मनी में सलमान खान, एपी ढिल्लों का जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है. सॉन्ग में सलमान खान और एपी ढिल्लों जमकर मारधाड़ और एक्शन करते दिख रहे हैं. बता दें, बीती 6 अगस्त को दबंग स्टार सलमान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर ओल्ड मनी का टीजर जारी कर इसकी रिलीज डेट का खुलासा किया था. इस गाने में बॉलीवुड के संजू बाबा उर्फ संजय दत्त का खास रोल है, लेकिन टीजर में उनकी झलक नहीं दिखी थी और वह गाने के भी अंत में नजर आए हैं. गाने में इंडो कनाडियन रैपर सिंधा कोहलन भी दिख रहे हैं. कहा जा रहा है कि ओल्ड मनी सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि यह एक घटना पर आधारित है, जिस वजह से इसमें धांसू मारधाड़ देखने को मिल रही ही. फैंस इस कोलैबोरेशन को लेकर काफी एक्साइडेट थे और आज वो सब्र भी खत्म हो गया है. इससे पहले 2 अगस्त को एपी ढिल्लों ने इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प मोशन पोस्टर के साथ ओल्ड मनी गाने का एलान किया था. सिंगर ने कैप्शन में लिखा था, मुझे पता है कि आपने इसे आने की उम्मीद नहीं की थी. मोशन पोस्टर में रैपर, सलमान खान और संजय दत्त की झलक दिखी थी. बता दें, एपी पहली बार सलमान खान और संजय दत्त के साथ काम कर रहे हैं. एपी के प्रोजेक्ट दिखने वाली सलमान खान और संजय दत्त की जोड़ी पहले भी एक साथ नजर आ चुकी है. इससे पहले फिल्म दस के लिए इस सुपरहिट जोड़ी ने सॉन्ग सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी में साथ में काम किया था. वहीं, इस जोड़ी को फिल्म चल मेरे भाई, साजन और सन ऑफ सरदार जैसी हिट फिल्मों में साथ में देखा गया है.